हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, 3 अगस्त 2025

9 प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी

10 अटेली में कैंपर में आए युवकों ने फिल्मी स्टाइल में...

स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिले के हालात : 6 माह का लिंगानुपात 875, बच्चियों की चाह कम

- जिले में 26 पीएचसी में ब्लाक अटेली में सबसे कम जन्मी लड़कियां, आंकड़ों में सेहलंग ब्लाक में सबसे अधिक लड़कियों ने लिया जन्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का गृह जिला महेंद्रगढ़ है। इसी जिला की अटेली विधानसभा से वह विधायक बनी। जब स्वास्थ्य मंत्री का औहदा मिला तो आस जगी, स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ोतरी होगी। प्रयास भी किए जा रहे है। अगर हम लिंगानुपात की बात करें तो जिला में अटेली ब्लाक ही अन्य ब्लाक से पीछे है। यह हम नहीं कह रहे।

जनवरी से जून माह मतलब छह माह के जिला से जुड़े लिंगानुपात आंकड़े सामने आए है। इन आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो जिला भर की 26 पीएचसी के अधीन आने वाले ग्रामीण आंचल के 440 गांव व ढाणी का लिंगानुपात 875 है। जिला में सात अलग-अलग ब्लॉक बनाकर आंकड़ों को बांट गया है। इनमें अटेली ब्लाक ऐसा है जहां जिला के अन्य ब्लॉक के मुकाबले कम लड़कियों ने जन्म लिया है। लाख प्रयास के बावजूद भी अभिभावकों में बच्चियों को पाने की चाह नहीं बढ़ पा रही है।

क्या कहते है अटेली ब्लाक के आंकड़े

अटेली ब्लॉक के अधीन चार पीएचसी है। इनमें पीएचसी अटेली, बाछौद, सिहमा व कांटी है। इन सभी पीएचसी के नीचे 79 गांव व ढाणियां है। इस तरह इस ब्लाक में जनवरी से जून माह तक 484 लड़के व 405 लड़कों ने जन्म लिया। इस तरह इस ब्लाक का लिंगानुपात 837 रहा है। वहीं अन्य छह ब्लाक की बात करें तो सबसे बेहतर स्थिति सेहलंग ब्लाक की है। यहां 213 लड़कों व 205 लड़कियों ने जन्म लिया है। इसका लिंगानुपात 962 है। यह ब्लाक भी अटेली विधानसभा के अधीन ही है। इसके बाद दूसरे नंबर पर नांगल चौधरी ब्लाक रहा है। यहां 518 लड़के व 458 लड़कियों ने जन्म लिया। इसका लिंगानुपात 884 रहा। तीसरे नंबर पर सतनाली ब्लाक रहा। यहां 652 लड़के व 574 लड़कियों ने जन्म लिया। इसका लिंगानुपात 880 रहा। चौथे नंबर पर दौचाना ब्लाक रहा। यहां 465 लड़के व 408 लड़कियों ने जन्म लिया। इस तरह लिंगानुपात 877 रहा। पांचवे स्थान पर नांगल सिरोही ब्लाक रहा। यहां 238 लड़कों पर 208 लड़कियों ने जन्म लिया। लिंगानुपात 873 रहा। छठे नंबर पर कनीना ब्लाक रहा। यहां 365 लड़कों पर 310 लड़कियों ने जन्म लिया। इस ब्लाक का लिंगानुपात 849 रहा। अंतिम सातवें नंबर पर ब्लाक अटेली रहा है।

सीएचसी/पीएचसी	गांव/ढाणी	पुरुष	महिला	लिंगानुपात
पीएचसी आंतरी	17	81	71	876
पीएचसी बुढ़वाल	22	94	71	755
पीएचसी बायल	26	72	83	1152
पीएचसी मंढाणा	13	90	72	800
पीएचसी नां.चौधरी	26	114	95	833
पीएचसी सिरोहीबहाली	15	67	66	985
पीएचसी अटेली	22	110	83	755
पीएचसी बाछौद	21	164	134	817
पीएचसी सिहमा	24	135	122	903
पीएचसी कांटी	12	75	66	880
पीएचसी बलाहा कलां	14	92	89	967
पीएचसी छिलरो	13	74	63	851
पीएचसी दौचाना	11	65	50	769
पीएचसी रामपुरा	19	156	140	897
पीएचसी बिगोपुर	15	78	66	846
पीएचसी भोजावास	15	106	89	840
पीएचसी कनीना	13	129	115	891
पीएचसी मुंडिया खेड़ा	07	51	37	725
पीएचसी दौंगड़ा अहीर	12	79	69	873
पीएचसी सेहलंग	14	108	94	870
पीएचसी धनुंदा	13	105	111	1057
पीएचसी सतनाली	21	252	208	825
पीएचसी माधोगढ़	22	200	217	1085
पीएचसी पाली	15	200	149	745
पीएचसी नांगल सिरोही	24	131	124	947
पीएचसी मालड़ा बास	14	107	84	785

वर्ष	लड़का	लड़की	लिंगानुपात
2020	6093	6040	902
2021	6851	6193	904
2022	6884	6247	907
2023	6770	6002	887
2024	6133	5620	916

प्रोत्साहन के रूप में मिलते है एक लाख

सीएमओ डा. अशोक कुमार ने बताया कि अगर गांव या शहर में कोई भी व्यक्ति भ्रूण लिंग जांच करने जैसी गतिविधियों में लिप्त रहता है तो उसकी सूचना जिला प्रशासन, नजदीकी सरकारी अस्पताल या कार्यालय सिविल सर्जन को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम व पता गुप्त रखा जाता है। सरकार की तरफ से प्रोत्साहन के रूप में एक लाख रुपये की राशि भी दी जाती है।

खबर संक्षेप

आज बिजली सप्लाई रहेगी बाधित

नारनौल। सिटी सब डिवीजन के उपमंडल अधिकारी मोहम्मद अजरूद्दीन ने बताया कि तीन अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक सिटी पांच व सिटी तीन फीडर की सप्लाई बाधित रहेगी। जिसके अंतर्गत आने वाला एरिया महावीर चौक, बॉयज आईटीआई, पार्क गली, मोहिनी गली, बस स्टैंड, कैलाश नगर, सोनी होटल तक तथा सिटी पांच फीडर का एरिया गोशाला मार्केट, पुलिस लाइन, रेलवे रोड, मालवीय नगर सेकंड पेप्सी गोदाम के आसपास की सप्लाई बाधित रहेगी। पावर हाउस 220 केवी में पावर ट्रांसफार्मर की मेंटेनेंस का कार्य किया जाएगा, जिसके चलते सप्लाई बंद रहेगी।

बारिश के चलते खेतों में जमा हुआ पानी

कनीना। क्षेत्र में पिछले पांच दिन से रूक रूककर हो रही बारिश से चंहुओर पानी पानी दिखाई देने लगा है। अत्यधिक बारिश में खराब होने के चलते सब्जी के रेट में उछाल आया है। मंगलवार को 74 एमएम बारिश हुई थी। वहीं बुधवार को 10 एमएम, वीरवार को 59 एमएम, शुक्रवार को 37 एमएम व शनिवार को नौ एमएम बारिश रिकार्ड की गई। जिसका पानी सड़कों सहित बाजरे व कपास की फसल में जमा हो गई। जिससे उसमें नुकसान की संभावना बनने लगी है। बारिश के पानी से अटेली मोड़, बस स्टैंड, गाहड़ा रोड सहित विभिन्न निचले स्थानों की हालत भी दयनीय बनती जा रही है।

मोड़ी में भोले बाबा का मेला पांच को

कनीना। विकास खंड के गांव मोड़ी में पांच अगस्त को भोले बाबा के 16वें मेले का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सरपंच रामनिवास ने बताया कि इस मेले के मुख्यातिथि पंचायत समिति के चेयरमैन जेपी यादव होंगे। मेले में खेलकूद प्रतियोगिता के अलावा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम व भंडारा भी होगा। उन्होंने बताया कि खेलों में कबड्डी ओपन व 48 किलोग्राम भार वर्ग, लंबी कूद, ऊंची कूद, रस्साकसी, लड़कियों व महिलाओं की दौड़ शामिल हैं।

87 में से 86 कॉलेजियम सदस्यों ने किया मत का प्रयोग

एकतरफा मिले वोट, राकेश महता बने श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा प्रधान

सभा के मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि सभा भवन श्री गौड़ ब्राह्मण सभा की शासकीय समिति का चुनाव हुआ। जिसमें कॉलिजियम सदस्यों ने प्रधान व सचिव के पद के लिए अपने मत का प्रयोग किया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। चुनाव की घोषणा करते मुख्य चुनाव अधिकारी मनीष वशिष्ठ। फोटो : हरिभूमि

जिले की अग्रणी सामाजिक संस्था श्री गौड़ ब्राह्मण सभा के प्रधान पद के चुनाव में राकेश महता ने 67 मत से विजय हासिल की है। वहीं सचिव पद के लिए कृष्ण कुमार शर्मा ने 66 मतों से जीते हैं। सभा के मुख्य चुनाव अधिकारी मनीष वशिष्ठ एडवोकेट ने बताया कि सभा भवन श्री गौड़ ब्राह्मण सभा की शासकीय समिति का चुनाव हुआ। जिसमें कॉलिजियम सदस्यों ने प्रधान व सचिव के पद के लिए अपने मत का प्रयोग किया।

उन्होंने बताया कि प्रधान पद के लिए धीरज कुमार मिश्रवाड़ा व राकेश महता एडवोकेट पुरानी सराय तथा सचिव पद के लिए कृष्ण कुमार शर्मा ठेकेदार ढाणी फैजाबाद व राजेश कुमार शर्मा नसीबपुर में सीधा मुकाबला था। उन्होंने बताया कि प्रधान पद के लिए राकेश महता को 76 मत व धीरज कुमार को नौ मत प्राप्त हुए व एक मत रद्द हुआ तथा सचिव पद के लिए कृष्ण कुमार शर्मा को 76 मत तथा राजेश कुमार शर्मा को 10 मत प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि राकेश महता एडवोकेट ने 67 मतों से प्रधान पद पर जीत हासिल की है तथा कृष्ण कुमार शर्मा ने 66 मतों से सचिव पद पर कब्जा किया है।

वशिष्ठ ने बताया कि उप प्रधान पद के लिए रामानन्द शर्मा अटेली, सह सचिव पद पर हेमंत कृष्ण भारद्वाज एडवोकेट सिहमा, कोषाध्यक्ष पद के लिए शिवकुमार शर्मा छापड़ा बीबीपुर व कार्यकारिणी सदस्यों के लिए विजय गौस्वामी मोहल्ला कायस्थवाड़ा व अमित पाण्डे मोहल्ला देवस्थान निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं।

कार्यकारिणी सदस्यों के लिए विजय गौस्वामी व अमित पाण्डे का एक एक आवेदन आया था तथा उप प्रधान पद के लिए सत्यवीर शर्मा सुरानी, सह सचिव पद के लिए राकेश कौशिक एडवोकेट तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए हेमन्त शर्मा बीगोपुर ने नामांकन किया था, लेकिन उनके नाम वापस लेने से इन पदों लिए भी एक एक नाम रहने से उन्हें निर्विरोध निर्वाचित हो चुके थे।

नहीं बन पाई थी सर्वसम्मति

मुख्य चुनाव अधिकारी मनीष वशिष्ठ ने बताया कि सामाजिक दायित्व के नाते उन्होंने अपनी अध्यक्षता में 20 जुलाई को सभा भवन में सर्वसम्मति से कार्यकारिणी के चुनाव का प्रयास किया था। इसके लिए उनकी अध्यक्षता में सभी निर्वाचित कॉलेजियम सदस्यों की बैठक बुलाई थी, लेकिन उस बैठक में सर्वसम्मति नहीं बनने से शासकीय समिति का चुनाव करवाया गया। चुनाव अधिकारी मनीष वशिष्ठ ने बताया कि चुनाव शांतिपूर्वक तरीके से सम्पन्न हुए। किसी प्रकार का कोई विवाद आदि नहीं रहा। उन्होंने सहायक चुनाव अधिकारी संजय कौशिक, धर्मेन्द्र शर्मा अटेली व अंजनी शास्त्री नांगल चौधरी का चुनाव करवाने में सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने शांतिपूर्वक मतदान के लिए सभी कॉलेजियम सदस्यों का धन्यवाद किया। चुनाव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए करीब 20 पुलिसकर्मी तैनात थे। चुनाव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ का आभार व्यक्त किया। पुलिस टीम के इंचार्ज एसआई पंकज व एएसआई कृष्ण कुमार के नेतृत्व में सभी पुलिसकर्मियों ने शांतिपूर्वक मतदान करवाने में पूरा सहयोग दिया। शांतिपूर्वक व पूरी पारदर्शिता से चुनाव सम्पन्न करवाने पर चुनाव अधिकारी मनीष वशिष्ठ का सभी विप्र बन्धुओं ने धन्यवाद किया।

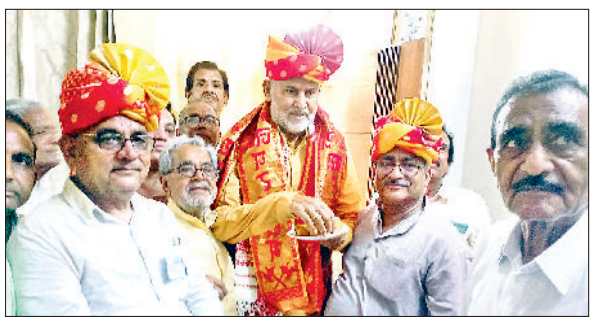

नारनौल। निर्वाचित प्रधान राकेश महता सहित पूरी कार्यकारिणी को आशीर्वाद देते पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो . रामबिलास शर्मा। फोटो : हरिभूमि

जीत हासिल कर रामबिलास शर्मा का आशीर्वाद लेने पहुंचे राकेश महता

नारनौल। गौड़ ब्राह्मण सभा के प्रधान व सचिव पद का शनिवार चुनाव था। इस चुनाव में एडवोकेट राकेश महता प्रधान व कृष्ण शर्मा ठेकेदार सचिव पद के लिए एकतरफा जीत दर्ज की है। परिणाम घोषित होने के बाद प्रधान राकेश महता अपनी कार्याकारिणी के साथ सर्वप्रथम पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा से आशीर्वाद लेने उनके पास पहुंचे। प्रो. रामबिलास शर्मा ने पूरी कार्यकारिणी को आशीर्वाद देते हुए भविष्य में समाज हित में हर संभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया। जब परिणाम घोषित होने के बाद नवनियुक्त प्रधान राकेश महता ने प्रो. रामबिलास शर्मा से संपर्क किया। उन्हें पता चला कि प्रो. रामबिलास शर्मा नारनौल में इम्पलाइज कॉलोनी में बेटी एसएमओ डा. आाशा शर्मा के आवास पर आए हुए है। यह खबर मिलते ही सभा की नवगठित पूरी कार्यकारिणी वहां पहुंची। यहां पहुंचने पर डा. आशा शर्मा ने पूरी कार्यकारिणी सदस्यों को तिलक किया और जलपान करवाया। कार्यकारिणी ने पूर्व शिक्षा मंत्री को स्मरण कराया कि सभा भवन के लिए जमीन खरीद में उनके मंत्री कार्यकाल के दौरान उन्होंने 51 लाख रुपये का सहयोग किया था। इसके अतिरिक्त तत्कालीन विधायक व पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने भी 37 लाख रुपये का सहयोग प्रदान किया था। पूर्व मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने कार्यकारिणी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे समाज की ओर से मिली जिम्मेदारी को बिना ईर्ष्या, भेदभाव और द्वेष के पूरी निष्ठा से निभाएं। इस मौके पर उपप्रधान रामानंद कौशिक, सचिव कृष्ण शर्मा ठेकेदार, कोषाध्यक्ष शिव कुमार छापड़ा वाले, सह सचिव हेमंत शर्मा एडवोकेट, कार्यकारिणी सदस्य विजय गोस्वामी एवं अमित पाण्डे के अलावा विधायक ओमप्रकाश यादव के पीआरओ राजेश यादव, सुरेश शर्मा कांवी, कुलदीप भारद्वाज, सत्यनारायण शर्मा घाटासेर, प्रीतम थनवास, पंकज दौचाना, मुकेश शर्मा नांगल सिरोही, आचार्य क्रांति निर्मल, केके शर्मा एडवोकेट, मुकेश लावणिया, मदनलाल शर्मा एडवोकेट, अटेली गौड़ ब्राह्मण सभा के प्रधान धर्मेंद्र शर्मा, अजय शर्मा एडवोकेट व नलिन शर्मा सरोजबाला सहित विप्र समाज के लोग मौजूद रहे। आपको बताते चले कि सभा के इस चुनाव में 86 कॉलेजियम सदस्यों ने भाग लिया। जिसमें प्रधान पद के लिए राकेश महता को एकतरफा 76 वोट मिले।

पैर फिसला, जोहड़ में डूबने से महिला की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पांव फिसलने से एक महिला जोहड़ में डूब गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की सहायता से महिला के शव को जोहड़ के बाहर निकाला। जिसके बाद उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां चिकित्सकों ने शव का पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस के अनुसार गांव बलाहा कलां निवासी करीब 60 वर्षीय संतोष देवी अपने मायके में ही रहती थी। उसके कोई भाई नहीं होने के कारण वह शादी के बाद से यहीं पर ही रह रही थी। उसके दो लड़के हैं, जो प्राइवेट जॉब करते हैं। वह रोजाना जोहड़ पर सुबह घूमने तथा पक्षियों को दाना डालने के लिए जाती थी। शनिवार सुबह भी वह जोहड़ की ओर गई थी।

इस दौरान बारिश का मौसम होने की वजह से जोहड़ की पाल पर फिसलन हो रही थी। जिसके कारण उसका पैर फिसल गया तथा वह जोहड़ में डूब गई। वह जब सुबह घर पर नहीं पहुंची तो परिजनों ने उसकी तलाश की।

वहीं कुछ घंटों बाद लोगों ने जोहड़ में एक शव को तैरते देखा। जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला। वहीं इस बारे में पुलिस ने इत्तफाकिया हादसे की कार्रवाई की है।

आंदोलनरत सफाई कर्मचारियों ने प्रशासनिक अधिकारियों पर लगाया उपेक्षा का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने नगर परिषद एवं जिला के प्रशासनिक अधिकारियों पर उनकी उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि वे अपनी एरियर की जायज मांग को लेकर पिछले 12 दिनों ने धरना–प्रदर्शन करते आ रहे हैं, लेकिन अब तक किसी अधिकारी ने उनकी सुध नहीं ली है। ऐसी अनदेखी नागवार गुजर रही है और ऐसा प्रतीत होता है कि वह नगर परिषद एवं प्रशासनिक इकाई का अनिवार्य अंग नहीं हैं। यह विचार जिला प्रधान राहुल सारवान ने धरने पर व्यक्त किए हैं।

नारनौल। नगर परिषद पर मांगों को लेकर नारेबाजी करते सफाई कर्मचारी।

उन्होंने कहा कि सफाई को मनुष्य जीवन का सबसे अनिवार्य अंग माना है अन्यथा जी तो पशु भी लेते हैं, लेकिन कमाल की बात है कि नगर परिषद नारनौल ही नहीं, जिलेभर की पालिकाओं के सफाई एरियर की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं, लेकिन उनकी रुहाई–दुहाई कोई सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने बताया कि गत 3 नवंबर 2017 से सफाई कर्मचारियों का एरियर बकाया चला आ रहा है।

प्रदेश के अन्य नगर निकायों में इस एरियर का भुगतान किया जा चुका है, लेकिन हमारे जिले में अधिकारी उनसे भारी भेदभाव करते आ रहे हैं। इसके लिए हम बार–बार मांग भी कर चुके हैं। पहले भी धरने–प्रदर्शन हो चुके हैं, लेकिन नगर प्रशासन कर्मचारियों की मांगों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा। इसलिए कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। इस आन्दोलन के अध्यक्ष जिला प्रधान राहुल सारवान के अलावा सचिव महावीर प्रसाद, भूपेंद्र दरोगा, भीम सिंह, निरंजन लाल, रोशन लाल, सुरेंद्र, राजू, राम, विक्रम, आशु, रजनीश, विक्की, संतलाल, राजेश, रमन, विजय, मनोज, विक्रम, मनोज देवी, पूनम देवी, सुनीता देवी, ममता देवी, सावित्री देवी, सविता, बबीता, कृष्णा, बबली, मीनू, कांता देवी, मंजू देवी, सुनीता देवी व निर्मला देवी समेत अनेक सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

महिलाएं रक्षाबंधन को लेकर कर रहीं है जमकर खरीदारी

बाजार में बढ़ी चहल-पहल, कार्टून राखियां बनी बच्चों की पहली पंसद

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

भाई-बहन के पवित्र प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व नौ अगस्त को मनाया जाएगा। पर्व को लेकर बाजार में खरीददारी को लेकर काफी चहल-पहल बढ़ गई हैं। बाजार में राखी, मिठाई व गिफ्ट की दुकानों पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ बढ़ गई है। एक तरफ जहां बहनें भाईयों के लिए राखियों की खरीददारी करती देखी गई, वहीं दूसरी तरफ भाई भी बहनों को कुछ देने के लिए विशेष गिफ्ट की खरीददारी करते हुए दिखाई दे रहे है। शहर के 11 हट्टा बाजार, सब्जी मंडी रोड, गांधी मार्केट, शॉपिंग कॉम्पलैक्स, बस स्टैंड के सामने, आईटीआई रोड, विश्वकर्मा चौक, आंबेडकर चौक, मसानी चौक सहित अनेक बाजारों व चौकों पर राखियों की दुकानें इन दिनों सज गई हैं।

महेंद्रगढ़। बाजार में राखी खरीदती महिला। फोटो : हरिभूमि

कार्टून राखियां बनी बच्चों की पहली पसंद: दुकानों पर रखी सुंदर-सुंदर राखियां बहनों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। वहीं छोटे-छोटे बच्चों की छोटा भीम, रंग-बिरंगी लाइटों वाली राखी, मोटू-पतलू, डोरेमोन, मोरपंखी, मोती-रुद्राक्ष, म्यूजिक और टेडी वाली, ब्रैसलेट, लाइट वाली राखियां पहली पसंद बना हुआ है। तमाम स्थानों पर अस्थायी दुकानें व रेहड़ी भी लगी हुई है।

बाजार में इस बार काफी आकर्षक राखियां

व्यापारी विजय कुमार व केशव अग्रवाल ने बताया कि बाजार में इस बार 10 से 150 रुपये तक की राखियां उपलब्ध है। वहीं बच्चों के लिए 20 से 50 रुपये तक की राखी बाजार में इस बार बिक रहीं है। बच्चों की छोटा भीम, रंग-बिरंगी लाइटों वाली राखी, मोटू-पतलू, डोरेमोन, मोरपंखी, मोती-रुद्राक्ष, म्यूजिक और टेडी वाली राखियां बच्चे पसंद कर रहें है। उन्होंने बताया कि बाजार में इस बार काफी आकर्षक राखियां हैं, जो खूब पसंद की जा रही हैं। पहले चाइनीज राखियां भी आती थीं, लेकिन अब सभी राखियां स्वदेशी ही है।

नदी की दीवार टूटने से फसल जलमग्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

अटेली तहसील के गढ़ी रूथल गांव के खेतों में मोहरसिंह की झाणी के निकट कृष्णावती नदी की दीवार टूटने के कारण सैंकड़ों एकड़ में खड़ी बाजरा व कपास की फसल जलभराव के कारण खराब हो गई है। बहुजन समाज पार्टी नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने किसानों के बुलावे पर प्रभावित खेतों में जाकर फसल खराबा का जायजा लेने के बाद कहा कि तीन चार दिन से उनके खेतों में दो दो फुट पानी खड़ा है, जिससे फसलें खराब हो गई हैं।

किसानों ने हजारों रुपये की लागत लगाकर बाजरा और कपास की फसल उगाई थी। उनकी लागत तथा मेहनत चौपट हो गई है। प्रभावित किसान बहुत परेशान तथा दुखी हैं। उन्होंने राज्य सरकार तथा जिला प्रशासन से तत्काल विशेष गिरदावरी करवाकर प्रभावित किसानों को चालीस हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा देने की मांग की।

उन्होंने कहा कि पिछली बार भी कृष्णावती के नदी के पानी से उनकी फसलें खराब हो गई थी। फरियाद करने के बाद भी उनको मुआवजा नहीं मिला। जिससे किसानों में भारी रोष है। उन्होंने प्रशासन तथा सरकार से ऐसे पुख्ता बंदोबस्त करने की मांग भी की। जिससे भविष्य में किसानों की फसलों को नुकसान नहीं हो। इस मौके पर भागसिंह चेयरमैन, दानसिंह प्रजापत, हंसराज, शिशराम, धर्मपाल, नित्यानंद, सोनू, संजू, सुनील, राकेश यादव आदि मौजूद थे।

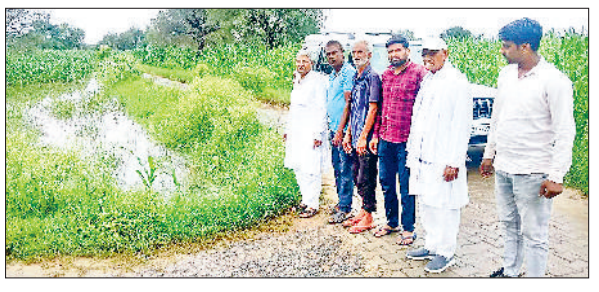

नारनौल। जलभराव के कारण खराब फसलों का जायजा लेते बसपा नेता अतरलाल।

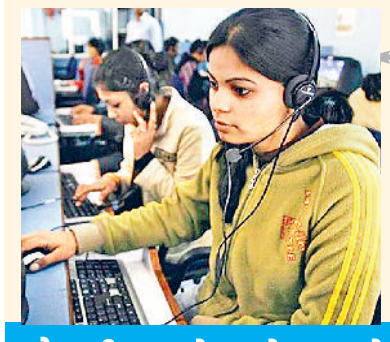

नौकरी करने वाले न करें ये फाइनेंशियल गलतियां वर्ना पड़ सकता है पछताना

सुझाव | बिजनेस डेस्क

नौकरीपेशा लोगों के लिए वित्तीय स्थिरता हासिल करना महत्वपूर्ण होता है। लेकिन अनजाने में की गई कुछ सामान्य गलतियां, बचत और भविष्य की योजनाओं को प्रभावित कर सकती हैं। सैलरी बढ़ने के साथ खर्च बढ़ाना, क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत और निवेश को नजरअंदाज करना, इमरजेंसी फंड की कमी, और बजट न बनाना जैसी गलतियां आगे चलकर वित्तीय संकट का कारण बन सकती हैं। इन गलतियों से बचकर आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। आइए इन पांच वित्तीय गलतियों और उनसे बचने के तरीकों के बारे में जानते हैं।

सैलरी बढ़ने पर खर्च बढ़ाना

सैलरी बढ़ते ही लोग अक्सर अपने खर्चों को भी बढ़ा लेते हैं, जिसे 'लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन' कहा जाता है। महंगे गैजेट्स, लग्जरी आइटम्स या बार-बार बाहर खाने जैसे फालतू खर्चे आपकी बचत को खत्म कर सकते हैं। इसका समाधान यह है कि अपनी बढ़ी हुई सैलरी का कम से कम 50 फीसद हिस्सा बचत या निवेश में लगाएं। उदाहरण के लिए, अगर आपकी सैलरी में 10,000 रुपये की वृद्धि होती है, तो कम से कम 5,000 रुपये को बचत खाते, म्यूचुअल फंड या अन्य निवेश विकल्पों में डालें।

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल

सैलरी बढ़ने के साथ कई लोग क्रेडिट कार्ड ले लेते हैं और हर छोटी-बड़ी खरीदारी के लिए इसका उपयोग शुरू कर देते हैं। क्रेडिट कार्ड के चार्जेस, लेट फी, और ब्याज दरों की जानकारी न होने पर यह वित्तीय बोझ बन सकता है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग सीमित और सोच-समझकर करें। बिल समय पर चुकाएं और अनावश्यक खरीदारी से बचें। हमेशा अपने क्रेडिट कार्ड की शर्तों, जैसे वार्षिक शुल्क और ब्याज दर, को समझ लें ताकि आप अतिरिक्त खर्चों से बच सकें।

बचत को नजरअंदाज करना

कई लोग सोचते हैं कि बचत और निवेश 30-35 साल की उम्र में शुरू करना चाहिए, लेकिन यह एक बड़ी गलती है। पहली नौकरी से ही अपनी सैलरी का 20-30 फीसद हिस्सा बचत और निवेश में लगाना शुरू करें। उदाहरण के लिए, सिप (एसआईपी) के माध्यम से म्यूचुअल फंड में छोटी राशि से निवेश शुरू करें, जो लंबे समय में चक्रवृद्धि ब्याज के साथ बढ़ेगा। जल्दी शुरू करने से आपके पास रिटायरमेंट या बड़े वित्तीय लक्ष्यों के लिए पर्याप्त धन जमा हो सकता है।

हेल्थ इंश्योरेंस की अनदेखी

इमरजेंसी फंड और हेल्थ इंश्योरेंस को टालना वित्तीय सुरक्षा के लिए खतरनाक हो सकता है। अप्रत्याशित खर्चों, जैसे मेडिकल इमरजेंसी या नौकरी छूटने की स्थिति, के लिए कम से कम 6 महीने का इमरजेंसी फंड जरूरी है। उदाहरण के लिए, अगर आपका मासिक खर्च 50,000 रुपये है, तो 3 लाख रुपये का फंड बनाएं। इसके अलावा, एक अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस प्लान लें, जो अस्पताल के खर्चों को कवर करे और आपकी बचत को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण मददगार साबित होगा।

बजट न बनाना

अगर आपको यह नहीं पता कि आपकी सैलरी कहां खर्च हो रही है, तो पैसा जल्दी खत्म हो सकता है। बिना बजट बनाए खर्च करना वित्तीय अनुशासन को तोड़ता है। बजट बनाकर अपने खर्चों को श्रेणियों में बांटें, जैसे किराया, किराना, बचत, और मनोरंजन। उदाहरण के लिए, 50-30-20 नियम का पालन करें। सैलरी का 50 फीसद जरूरी खर्चों पर, 30 फीसद इच्छाओं की पूर्ति करने पर और 20 फीसद बचत व निवेश के लिए आवंटित किया जाना चाहिए। बजट बनाने से आप अनावश्यक खर्चों को कम कर सकते हैं और अपने वित्तीय लक्ष्यों की ओर बढ़ सकते हैं।

वित्तीय अनुशासन का महत्व

इन गलतियों से बचने के लिए वित्तीय अनुशासन अपनाना जरूरी है। नियमित रूप से अपनी आय और खर्चों की समीक्षा करें, और अपने वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें, जैसे घर खरीदना या रिटायरमेंट प्लानिंग। छोटे-छोटे कदम, जैसे ऑटोमेटेड बचत खाता या एसआईपी , लंबे समय में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। अगर आप निवेश के विकल्पों को समझने में नए हैं, तो वित्तीय सलाहकार की मदद लेना फायदेमंद हो सकता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

25 से 35% की दर से दे रहे हैं रिटर्न, इनकी रेटिंग भी हाई, अगर किसी एमएफ की स्कीम की टॉप रेटिंग है, तो फंड बेहतर विकल्प

निवेश के लिए सबसे सस्ते म्यूचुअल फंड, दिला सकते हैं बढ़िया रिटर्न

स्कीम का एक्सपेंस रेश्यो कम है तो आपके निवेश की लागत कम होगी

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय जिन बातों का खास तौर पर ध्यान रखना चाहिए, उनमें उनका एक्सपेंस रेश्यो और रेटिंग भी है। किसी म्यूचुअल फंड स्कीम का एक्सपेंस रेश्यो कम होने का मतलब है कि आपके निवेश की लागत कम होगी। वहीं, म्यूचुअल फंड स्कीम का ट्रैक रिकॉर्ड और निवेश की रणनीति के आधार पर उसकी रेटिंग बनती है। अगर ये दोनों बातें पॉजिटिव हैं, यानी एक्सपेंस रेश्यो बहुत कम है और साथ में फंड को टॉप रेटिंग मिली है, तो इसका मतलब है कि वह फंड बेहतर विकल्प बन सकता है। अगर इसके बाद भी उनके प्रदर्शन को लेकर आशंका है तो हमने ऐसे 7 इक्विटी स्कीम की जानकारी दी है, जिनका एक्सपेंस रेश्यो कम है, रेटिंग मजबूत है और उन्होंने 5 साल की अवधि में हाई रिटर्न भी दिया है। चाहे लम्प सम हो या एसआईपी। आप भी इन पर विचार कर सकते हैं।

बंधन स्मॉल कैप फंड

बंधन स्मॉलकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.39 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 5 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्प सम पर 37.47 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 33.96 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.39%
- रेटिंग : 5 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 37.47% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 33.96% सालाना
- कुल एसेट्स : 12,982 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्प सम : 1,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

एडलवाइस स्मॉल कैप फंड

एडेलवाइस स्मॉलकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.42 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्प सम पर 35.10 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 29.52 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.42%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 35.10% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 29.52% सालाना
- कुल एसेट्स : 4,930 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्प सम : 100 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

एडेलवाइस फ्लेक्सी कैप फंड

एडेलवाइस फ्लेक्सी कैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.43 फीसदी है। इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्प सम पर 24.54 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 21.89 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.43%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 24.54% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 21.89% सालाना
- कुल एसेट्स : 2,802 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्प सम : 100 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

इन्वेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड

इन्वेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.44 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 5 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्प सम पर 35.01 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 31.47 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.44%
- रेटिंग : 5 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 35.01% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 31.47% सालाना
- कुल एसेट्स : 7,425 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्प सम : 1,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 500 रुपये

केनरा रोबेको लार्जकैप फंड

केनरा रोबेको लार्जकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.45 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्प सम पर 20.44 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 18.27 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.45%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 20.44% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 18.27% सालाना
- कुल एसेट्स : 16,617 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्प सम : 5,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

जेएम फ्लेक्सी कैप फंड

जेएम फ्लेक्सी कैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.49 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्प सम पर 27.12 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 24.78 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.49%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 27.12% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 24.78% सालाना
- कुल एसेट्स : 6,144 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्प सम : 1,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

एलआईसी म्यूचुअल फंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड

एलआईसी म्यूचुअल फंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.50 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है. फंड ने 5 साल में लम्प सम पर 33.78 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 32.20 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.50%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 33.78% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 32.20% सालाना
- कुल एसेट्स : 1,053 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्प सम : 5,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 200 रुपये

किसी भी तरह के भूराजनीतिक तनाव के बीच सोना डिमांड में रहेगा

6 साल में 200% उछला सोना, अगले 5 वर्ष में सवा 2 लाख रु. का हो सकता है 10 ग्राम!

सर्राफा | बिजनेस डेस्क

1 सेफ एसेट के तौर पर जाना जाता है सोना, हर कोई करता है निवेश

"अगले पांच साल में सोने की कीमतें सवा दो लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकती हैं। गोल्ड बाजार के जानकारों का कहना कि सोना से सबसे लोकप्रिय और सुरक्षित निवेश के तौर पर जाना जाता है। चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों सोने ने हमेशा से ही अच्छा और सुरक्षित रिटर्न दिया है। इस तेजी में मुख्य रूप से कोविड-19 महामारी, बेहद ज्यादा ढीली मौद्रिक नीतियों, भू-राजनीतिक तनाव और वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का हाथ रहा। 2025 में सोने ने एमसीएक्स पर अपना रिकॉर्ड हाई 1,01,078 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में सोने की कीमत पिछले 6 साल में 200 प्रतिशत तक बढ़ी हैं। मई 2019 में सोना 30,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, लेकिन जून 2025 तक कीमत बढ़कर करीब 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से अधिक हो गई। इस साल की बात करें तो सोने की कीमतों ने 2025 में निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 30 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है। पिछले 6 साल पर नजर डालें तो एमसीएक्स पर सोने का भाव मई 2019 में लगभग 32,000 प्रति 10 ग्राम था। यह अब बढ़कर लगभग 97,800 प्रति 10 ग्राम हो गया है, यानि कि 200 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि।

अगले पांच साल में सोने की कीमतें सवा दो लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकती हैं। गोल्ड बाजार के जानकारों का कहना कि सोना से सबसे लोकप्रिय और सुरक्षित निवेश के तौर पर जाना जाता है। चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों सोने ने हमेशा से ही अच्छा और सुरक्षित रिटर्न दिया है। इस तेजी में मुख्य रूप से कोविड-19 महामारी, बेहद ज्यादा ढीली मौद्रिक नीतियों, भू-राजनीतिक तनाव और वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का हाथ रहा। 2025 में सोने ने एमसीएक्स पर अपना रिकॉर्ड हाई 1,01,078 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा। लॉन्ग टर्म में संरचनात्मक रूप से ऊंची कीमतों के लिए माहौल अभी भी सपोर्टिव बना हुआ है। पोर्टफोलियो डायवर्सिफिकेशन में सोने का अहम रोल बरकरार है और आगे भी रहेगा। सोने के भविष्य की बात करें तो किसी भी तरह के भूराजनीतिक तनाव के बीच सेफ एसेट के तौर पर सोना डिमांड में रहेगा। साथ ही इसकी मांग के नए रास्ते भी खुल रहे हैं। जैसे कि कहा जा रहा है कि चीन बीमा क्षेत्र में कथित तौर पर अपने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का 1% सोने में लगा रहा है।

5 साल में कहां होगी कीमत

एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक एक्सपर्ट का कहना है कि अगले 5 साल के दौरान सोने की कीमतों में शानदार तेजी जारी रह सकती है। भू-राजनीतिक तनाव और ट्रेड वॉर के चलते सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बनी रहने की उम्मीद है। पिछले 5 वर्षों में भारतीय बाजार में सोने का भाव 18% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा। अगर यही रफ्तार जारी रही तो आगे के 5 सालों के दौरान सोने की कीमतें 2,25,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती हैं।

कंसोलिडेशन का अनुमान

वहीं दूसरी ओर एक एजेंसी की गोल्ड स्ट्रैटेजी रिपोर्ट में कहा है कि सोने की कीमतें अब कंसोलिडेशन फेज यानि ठहराव के दौर में जा सकती हैं। आगे तेजी के लिए किसी बड़े और नए ट्रिगर की जरूरत होगी। अब ज्यादा स्पष्टता का इंतजार करना चाहिए या किसी निर्णायक ट्रिगर का, जो गोल्ड की कीमतों को फिर से पुश करे। इस बीच गोल्ड में कंसोलिडेशन यानी ठहराव का दौर रहेगा। रिपोर्ट में तेजी थमने के पीछे कई अहम कारण बताए गए हैं। जैसे कि इजराइल-ईरान और रूस-यूक्रेन के बीच भूराजनीतिक संघर्ष का असर हल्का पड़ना, टैरिफ वॉर में कमी, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें टलना, केंद्रीय बैंकों की ओर से धीमी खरीदारी और गोल्ड की कीमतें काफी समय से ऊंचे स्तर पर होना।

स्टॉक मार्केट ऊंचाई पर हो तो बंद नहीं करें एसआईपी, संयम बरतें

बिजनेस डेस्क

जब शेयर बाजार नई ऊंचाइयों पर पहुंचता है, तो कई निवेशकों के मन में सवाल आता है कि क्या अब सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) रोक देना चाहिए? उन्हें लगता है कि ऊंचे स्तर पर निवेश करने से रिटर्न कम मिल सकता है या घाटा हो सकता है। हालांकि, इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट की राय इसके ठीक उलट है। उनका कहना है कि ऐसा सोचना निवेश की मूल रणनीति के खिलाफ है और इससे लंबे समय में नुकसान हो सकता है। इसलिए जब बाजार ऊंचाइयों पर हो तो निवेशकों को संयम बरतना चाहिए। इससे वे लान्ग टर्म में अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और अपने पैसे को बढ़ा सकते हैं। ऐसे समय में निवेशकों को थोड़ा स्मार्ट और चूजी बन जाना चाहिए ताकि, आने वाले समय में परेशानी न हो। इसलिए निवेश बंद न करें और इंतजार करें। बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं।

एसआईपीऔर डिप-बायिंग को साथ चलाना समझदारी

जानकारों का कहना है कि एसआईपी को रोकने की बजाय उसे जारी रखना चाहिए और अगर आपके पास अतिरिक्त रकम है, तो बाजार में गिरावट के दौरान उसमें लंबी अवधि के नजरिए से निवेश करना बेहतर रहता है। उनके मुताबिक, मासिक बचत एसआईपी के जरिए होनी चाहिए और अगर बाजार गिरता है, तो उसमें अतिरिक्त निवेश किया जा सकता है। इससे लॉन्ग टर्म में फायदा मिलता है। हालांकि, बाजार कब गिरेगा, इसका अंदाजा लगाना आसान नहीं है। डिप्स को पहचानना मुश्किल होता है, इसलिए निवेशकों के लिए बेहतर रणनीति यह हो सकती है कि वो लंप सम राशि को एसआईपी और डिप-बायिंग दोनों के लिए अलग-अलग हिस्सों में निवेश करें।

2025 में अब तक 1.12 करोड़ एसआईपी बंद

एएमएफआई (एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया) के आंकड़ों के मुताबिक, 2025 की शुरुआत से लेकर अब तक करीब 1.12 करोड़ एसआईपी अकाउंट बंद हो चुके हैं। इसका मतलब है कि बहुत से निवेशकों ने बाजार की ऊंचाई देखकर अपनी एसआईपी रोक दी है और बाजार गिरने पर दोबारा शुरू करने की सोच रहे हैं। एसआईपी को रोकना गलत कदम है। उनके मुताबिक, जब बाजार ऊंचा होता है, तो एसआईपी रोकना सही लग सकता है। लेकिन ये कदम फाइनेंशियल गोल्स को नुकसान पहुंचा सकता है। एसआईपी का फायदा यही है कि ये आपको समय पर और बिना भावनाओं के निवेश करने में मदद करता है। भारतीय बाजार ने पिछले 10 सालों में कई बार नई ऊंचाइयां देखी हैं और हर बार वह और ऊपर गया है। अगर लोग हर बार एसआईपी रोकते, तो वे बड़े फायदे से चूक जाते।

उलटी सोच हो सकती है एसआईपी रोकना

एसआईपी को रोकने के फैसले को 'काउंटरइंट्यूटिव' यानी आम समझ के खिलाफ मानते हैं। उनका कहना है कि इतिहास यही बताता है कि जो निवेशक लगातार निवेश करते हैं, वो ज्यादा फायदा कमाते हैं। बार-बार एग्जिट और एंट्री करने से फायदा नहीं होता। वो कहती हैं, एसआईपी का मकसद ये है कि आपकी हर महीने की बचत बाजार में लगती रहे। अगर इसे नियमित और अनुशासित तरीके से किया जाए तो कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। लेकिन कई बार लोग बाजार के मूवमेंट को देखकर एसआईपी बदलने लगते हैं, जो सही नहीं है।

इंस्टाग्राम रील वाली फाइनेंशियल प्लानिंग के साइड इफेक्ट गहरे

सतर्कता | बिजनेस डेस्क

इंस्टाग्राम पर दिखने वाले फाइनेंशियल रूल्स सुनने में आसान और रोचक जरूर हैं

हमेशा पैटर्न यानी ढर्रे पर काम करना बेहद अच्छा होता है चाहे वह वह जिंदगी से जुड़ा हो, काम हो या पैसे से जुड़ा मामला। शायद इसी वजह से कुछ खास नियम हमेशा याद रखने चाहिए। वैसे हम सभी के साथ ऐसा होता है। पहला पैसा से जुड़ा नियम जो तुरंत समझ आया, वह नियम है 72 का नियम। यह बहुत ही सीधा और सरल होता है। आप 72 को उस ब्याज दर से भाग देते हैं जो आपको निवेश पर मिल रही है, और जो संख्या आएगी, वह बताएगी कि आपके पैसे को दोगुना होने में कितने साल लगेंगे। उदाहरण के लिए, अगर आपका निवेश 15 प्रतिशत रिटर्न दे रहा है, तो आपका पैसा लगभग 5 साल में दोगुना हो जाएगा। सीधा है ना? यही कारण है कि यह नियम हमेशा जेहन में रहता है। लेकिन आपको पता है, पिछले 3 से 4 सालों में बहुत सारे ऐसे नियम ऐसे आएं है जो चौकाने वाले हैं। जैसे रील्स, इन्फोग्राफिक्स, न्यूज़लेटर में लेकिन उनमें से एक भी मेरे दिमाग में टिक नहीं पाया जैसे रूल ऑफ 72 था। सच कहें तो बहुत सारे नंबर और फॉर्मूले सामने आ गए हैं।

इंस्टाग्राम फाइनेंस

जानकारों का कहना है कि शायद यही कारण था कि 2016 के आसपास जब इंस्टाग्राम फाइनेंस की शुरुआत हुई, तो वह बहुत तरोताजा और नया लगा। तब लोग ऐसे मनी टिप्स शेयर कर रहे थे जो सरल और अपनाने लायक लगते थे। मुझे आज भी याद है मैंने सोचा था 'ये नियम तो वाकई समझ में आते हैं।' इंटरनेट सस्ता और तेज हो गया था। क्रिएटर्स की रचनात्मकता के कारण फाइनेंस अब आम लोगों तक पहुंचने लगा था। 2019 से 2021 के बीच कुछ फाइनेंस क्रिएटर्स के साथ काम किया और उनके लिए ऐसे स्क्रिप्ट्स भी लिखे जो पर्सनल फाइनेंस को आसान और समझने लायक बनाते थे। कुछ पोस्ट वायरल भी हुए। कुछ टिप्स काफी स्मार्ट लगे। लेकिन फिर धीरे-धीरे मुझे एक बात खटकने लगी। ये सब दिखने में तो बहुत प्रैक्टिकल थे, लेकिन असल जिंदगी में ये ज़्यादातर काम नहीं करते थे।

नियम चले सोशल मीडिया पर, ज़िंदगी में नहीं

सोशल मीडिया पर फाइनेंस की बातें एक संरचना देती हैं। लोगों को लगता है कि एक निश्चित तरीका है, जिससे सब ठीक हो जाएगा। पैसे को लेकर लोग अस्थिरता और चिंता रखते हैं। तो जब कोई कहता है इस एक नियम को फॉलो करो और कंट्रोल आप के हाथ में हो जाएगा, तो यह तुरंत राहत देता है। यह मानसिक रूप से उस स्थिति से जुड़ता है, जिसे साइकोलॉजी में कॉग्निटिव क्लोजर कहते हैं। यह उस मनोवैज्ञानिक झुकाव को दर्शाता है, जिसमें हमारा दिमाग स्पष्ट उत्तर से बेहतर महसूस करता है, भले ही वह उत्तर बहुत सरलीकृत ही क्यों न हो। एक और विचार है नियंत्रण का भ्रम सिर्फ इक नियम फॉलो करने से जैसे किसी विशेष प्रतिशत बचाना या केवल एक तय खर्च श्रेणी के भीतर रहना, लोग सोचते हैं कि वे जीवन पर नियंत्रण कर रहे हैं। यह एहसास, चाहे अस्थायी ही सही, सील अनुभूति देता है। लगता है आप सही दिशा की ओर बढ़ रहे हैं।

बुनियादी सच भूल रहे नियम

आपके खर्च हर महीने साफसुथरे प्रतिशत की तरह व्यवस्थित नहीं होते। आपकी आमदनी एक समय स्थिर हो सकती है और फिर बदल सकती है। परिवार की जिम्मेदारी आ सकती है। किराया बढ़ सकता है। कोई स्वास्थ्य समस्या रुकावट ला सकती है। या कभी-कभी आपको बस ब्रेक की जरूरत हो सकती है। 500 प्रतिदिन बचाएं या 503020 वाला बजट विभाजन जैसे नियम इन बदलावों के लिए जगह नहीं छोड़ते। ये ऐसे बनाए गए हैं मानो जीवन एक सीधी रेखा हो। एक और विचार है जिसे अक्सर सोचा जाता है। मोरल लाइसेंसिंग कभी व्यक्ति एसआईपी ऑटोमेट करने का नियम फॉलो करता है या कुछ हफ्तों तक बजट में रहता है, और फिर वही अच्छा महसूस करना उसे कहीं और ढील देने का बहाना दे देता है। यह मैं अच्छा कर रहा था, अब थोड़ा आराम का चक्र बनाता है। नियम समय-समय पर फिर से शुरू करने वाला जैसे ट्रेडमिल बन जाता है। ऐंकरिंग नामक एक असर होता है जहां कोई संख्या जैसे 30% या 500 एक मानक बन जाती है। यदि आप उस मानक पर नहीं ठहर पाते, तो ऐसा लगता है जैसे आप असफल हो गए हैं। भले आपके फैसले पूरी तरह से उपयुक्त हों, फिर भी आपको लगता है कि आप कुछ गलत कर रहे हैं। यह लगातार तनाव जोड़ता है और व्यक्ति वैध निर्णयों पर ही शक करने लगता है।

क्या मदद कर सकता है

मेरे विचार में ज़्यादातर लोगों को एक और नया नियम नहीं चाहिए। इससे ज़्यादा मदद करती है कुछ आसान सवाल पूछना, जो आपकी ज़िंदगी की असल हालत को ध्यान में रखते हैं। मुझे हर महीने कितना चाहिए ताकि मैं स्थिर महसूस कर सकूं? इसमें किराया, बिल, राशन आदि शामिल हैं। जो बैंक बैलेंस देखते समय चुप्पी में आने वाले घबराहट को रोकते हैं। यह संख्या जानने से आपकी चिंता थोड़ी कम होगी, पूरी समस्या हल नहीं होती लेकिन राहत जरूर मिलती है। मैं अभी किस समस्या का हल ढूंढ़ रहा हूं। कुछ महीने आप बचत करना चाहते हैं, कुछ महीने घर की देखभाल करनी पड़ सकती है, कुछ महीने सिर्फ शांति की जरूरत होती है। आपकी पैसे की आदतें आपके जीवन के पड़ावों के अनुसार बदल सकती हैं और इसमें कोई गलत नहीं है। मैं क्या ऑटोमेट कर सकता हूं, बिना घबराए? चाहे 2,000 की एसआईपी हो या खर्च देखने के लिए हफ्ते में एक रिमाइंडर एक ऐसी चीज चुनें जो एक लय बनाने में मदद करे। जरूरी नहीं कि सब कुछ 500/दिन जैसा सख्त हो यह कोई जिम की मेंबरशिप नहीं है जिसे आप अगले हफ्ते भूल जाएं। सच्चाई यह है कि छोटे और लगातार प्रयास बेहतर काम करते हैं, बजाय पूर्णता और तनाव के। पैसा हो या जीवन, अभी कहानी बाकी है (जैसा एसआरके ने कहा था 'ओम शांतिओम' में) और आप ही तय करेंगे कि अगला दृश्य कैसा होगा।

खबर संक्षेप

एसएसएन स्कूल का रहा शानदार प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में एसएसएन स्कूल माजरा कलां का शानदार प्रदर्शन रहा। इस खंड स्तरीय प्रतियोगिता में अंडर-14 (लड़के) खो-खो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया व अंडर-19 में (लड़के) वॉलीबाल प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा जैवलीन-थ्रो में विद्यालय के छात्र अभय ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है। आरआरसीएम ग्रुप चेयरमैन रोशनलाल यादव ने बच्चों को पुरुस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया एवं कोच पंकज शर्मा व कपिल शर्मा को बधाई दी।

पूर्व विधायक फूसाराम की पुण्यतिथि पर हवन आज

नांगल चौधरी। विधानसभा के पूर्व विधायक एवं हैफेड के चेयरमैन रहे चौ. फूसाराम की तीन अगस्त को 28वीं पुण्यतिथि छापड़ा बीबीपुर फार्म हाउस पर मनाई जाएगी। इस दौरान उनकी पुत्रवधू नांगल चौधरी की विधायक मंजू चौधरी, पूर्व विधायक मूलाराम चौधरी दिवंगत नेता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करेंगे। युवा कार्यकर्ताओं को चौ. फूसाराम के सिद्धांतों से अवगत कराया जाएगा। एडवोकेट अभय सिंह गुर्जर ने बताया कि चौ. फूसाराम ने हलके में रंजिश रहित राजनीति को स्थापित किया था।

एसडी स्कूल ककराला करेगा स्पर्धा की मेजबानी

कनीना। एसजीएफआई की ओर से कनीना में आयोजित होने वाली खण्ड स्तरीय खेल प्रतियोगिता की मेजबानी एसडी स्कूल ककराला करेगा। विद्यालय के चेयरमैन जगदेव सिंह यादव ने बताया कि चार अगस्त से सात अगस्त तक एसडी विद्यालय ककराला में लड़के व लड़कियों की 11, 14, 17, 19 आयुवर्ग की खण्ड स्तरीय प्रतियोगिता होगी। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व ये प्रतियोगिता दो अगस्त से प्रारंभ होनी थी, लेकिन बारिश के मौसम को देखते हुए विभाग की ओर से स्थगित करनी पड़ी थी। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को सुबह साढ़े आठ बजे खेल मैदान में प्रवेश करना होगा। लड़कों की खेल प्रतियोगिता चार व पांच अगस्त तथा लड़कियों की प्रतियोगिता छह व सात अगस्त को होगी।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आयोजित

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी

- 9.8 करोड़ से अधिक किसानों को बीस हजार करोड़ से अधिक की राशि जारी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किसानों व महिलाओं के लिए किया गया। कार्यक्रम में विधायक कंवर सिंह यादव मुख्यातिथि के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की जा रही है, जिसमें 9.8 करोड़ से अधिक किसानों को बीस हजार करोड़ से अधिक की राशि जारी की जाएगी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप कृषि निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह विशिष्ठ अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। केंद्र वरिष्ठ संयोजक डॉ. जयलाल यादव ने किसानों व महिलाओं को भारत सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र के चहुंमुखी विकास व किसानों की आय बढ़ाने लिए चलाई जा रही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

हिंदुस्तान गम एंड कैमिकल्स लि. से आए ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बीडी यादव जिन्होंने 28 साल तक हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में ग्वार फसल पर काम किया व अपने तजुर्बे के आधार पर किसानों से कार्यक्रम में बताया कि ग्वार फसल में खरपरवार प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि ग्वार फसल में कई बार रस चूसने वाले कीटों का आक्रमण हो जाता है, इससे बचाव के लिए 200 मि.ली. मैलाथियान 50 ईसी को 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। इसके उपरांत बैक्टीरियल ब्लाएट बिमारी आती है। इसकी रोकथाम के लिए बिजाई के पहला छिड़काव बिजाई के 40-45 दिन पर स्ट्रेप्टोसाइकलिन 30 ग्राम प्रति एकड़ एवं कापर आक्सीक्लोराइड 400 ग्राम प्रति एकड को 200 लीटर पानी में मिलाकर 15-20 दिन के अंतराल पर दो छिड़काव करें। हिंदुस्तान गम एंड कैमिकल्स लि. से डॉ. जगदेव, केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. राजपाल यादव, डॉ. पूनम, डॉ. आशीष शिवरान, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग से डॉ. सतबीर चौहान सहित 450 से अधिक किसानों व महिला किसान उपस्थित रहीं।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व किसान। फोटो : हरिभूमि

पहली किस्त 24 फरवरी 2018 को जारी की थी

उन्होंने बताया कि इस योजना की पहली किस्त 24 फरवरी 2018 को जारी की गई थी। योजना के अंतर्गत पात्र किसान परिवारों को प्रति वर्ष छह हजार रुपये की सहायता सीधे चार-चार माह की तीन किश्तों में किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि किसान अपने छोटे-छोटे खर्चों की आपूर्ति के लिए साहूकारों के चंगुल में पड़ने से बचाया जा सके और एक सुनिश्चित आय प्रदान की जा सके। कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग से उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ. मनमीत यादव ने किसानों द्वारा अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत वही पात्र किसान लाभान्वित होंगे जिनके पास राज्य तथा केंद्र शासित प्रदेशों के भू-अभिलेखों में सम्मलित रूप में दो हेक्टेयर तक कृषि योग्य भूमि का स्वामित्व हैं। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग से उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ. अजय यादव ने किसानों को डीएपी की जगह एनपीके प्रयोग करने के बारे में प्रेरित किया।

सिंघानिया विश्वविद्यालय में शिक्षा मॉडल व कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सिंघानिया विश्वविद्यालय पचेरी बड़ी परिसर में शनिवार को प्रधानाचार्य का एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें नई शिक्षा प्रणाली, डिजिटल नवाचार और तकनीक के प्रभाव पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

कार्यक्रम के मुख्यवक्ता उद्यमी एवं शिक्षा में एआईमानव समन्वय संस्थापक डॉ. अतुल निश्चल रहे। उन्होंने बताया कि मॉडल छात्रों में विवेक, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता और नैतिक निर्णय क्षमता को विकसित करता है, जिससे वे 21वीं सदी की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा को व्यक्तिगत, डेटा-आधारित और समस्या समाधान केंद्रित बनाती है।

नारनौल। अतिथियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

इसके पश्चात मुख्यातिथि डॉ. दिलीप मोदी ने कहा कि शिक्षा को अधिक प्रभावशाली और समयानुकूल बना रही है।

उन्होंने सिंघानिया विश्वविद्यालय द्वारा समाज के हित में किए जा रहे इस प्रकार के नवाचारी प्रयासों की सराहना की और इसे आधुनिक भारत के लिए प्रेरणास्पद पहल बताया। विशिष्ट अतिथि मुख्य खंड अधिकारी वेदपाल तथा मुख्य खंड अधिकारी नीलिमा यादव सम्मेलन में उपस्थित रहे।

दोनों अधिकारियों ने सिंघानिया विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे रचनात्मक प्रयासों की प्रशंसा की और ऐसे सकारात्मक कार्यक्रम को समाज के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरिता तिवारी एवं राष्ट्रीय युवा आइकॉन पुरस्कार से सम्मानित विजय हिंद जामलपुरिया द्वारा प्रभावशाली एवं ऊजार्वान शैली में किया गया।

बीआर स्कूल के विद्यार्थियों ने ओलंपियाड में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। बीआर स्कूल सेहलंग के विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। कक्षा तीसरी की छात्रा उपासना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त किया एवं एक हजार का गिफ्ट कार्ड भी जीता। छात्रा परी ने सिल्वर मेडल के साथ एक हजार का गिफ्ट कार्ड अर्जित किया। वहीं, छात्र दीक्षित और छात्रा सान्वी ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपने नाम 1000-1000 के गिफ्ट कार्ड भी प्राप्त किए। साथ ही, महक और क्रेयांश ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 500-500 के गिफ्ट कार्ड प्राप्त किए। प्रधानाचार्या ज्योति भारद्वाज ने कहा कि नन्हें विद्यार्थियों ने अपने परिश्रम और लगन से यह सिद्ध किया है कि यदि सही मार्गदर्शन और प्रेरणा मिले तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं। हमें अपनी टीम और बच्चों पर गर्व है।

चेयरमैन हरिश भारद्वाज ने कहा कि हमारे विद्यार्थी निरंतर ज्ञान, गणित एवं प्रतिस्पर्धात्मक कौशल में श्रेष्ठता की ओर अग्रसर हैं। विद्यालय ऐसे ही मंच प्रदान करता रहेगा।

महेंद्रगढ़। विजेता को सम्मानित करते चेयरमैन हरीश भारद्वाज।

यदुवंशी स्कूल में सावन महोत्सव मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यदुवंशी स्कूल में शनिवार को सावन महोत्सव मनाया गया। इस दौरान छात्रों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने हरे परिधान पहनकर वातावरण को हरियाली के रंगों से सजा दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान शिव की स्तुति से की गई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने सावन के गीतों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की भागीदारी ने उत्सव को जीवंत बना दिया, कार्यक्रम में बालवर्ग के विद्यार्थियों के अभिभावकों ने हिस्सा लिया। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि ऐसे त्योहार छात्रों में भारतीय संस्कृति और प्रकृति के प्रति प्रेम की भावना विकसित करते हैं।

उन्होंने छात्रों की प्रतिभा की सराहना की और उन्हें प्रकृति संरक्षण का संदेश भी दिया। चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि सावन एक मौसम नहीं बल्कि हरियाली, उमंग और संस्कृति का प्रतीक है। आज की पीढ़ी को यह समझना बहुत आवश्यक है कि अगर हमें आने वाले कल को सुरक्षित बनाना है तो हमें आज ही हरियाली बढ़ाने के प्रयास करने होंगे। इस प्रकार के आयोजन छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं।

इस मौके पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव ने सभी विद्यार्थियों को सावन महोत्सव की शुभकामना दी।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

जजपा पिछड़ा वर्ग की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जननायक जनता पार्टी के बैकवर्ड क्लास के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सैनी, प्रदेश प्रभारी धर्मपाल प्रजापति ने पिछड़ा वर्ग कार्यकर्ताओं की बैठक ली। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान राजकुमार खातोद ने की। जिला प्रभारी राकेश जाखड़ विशेष रूप से उपस्थित थे। पिछड़ा वर्ग के साथियों को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रभारी धर्मपाल प्रजापति ने कहा कि जब दुष्यंत चौटाला सरकार में साझेदार थे, उन्होंने बैकवर्ड समाज के उत्थान के लिए पंचायती राज, नगर परिषद, नगर पालिकाओं में आरक्षण दिलाकर पिछड़ा वर्ग का मान सम्मान बढ़ाया था। उन्हीं के बदौलत आज कई गांव में सरपंच, पंच, जिला पार्षद, पंचायत समिति के मेंबर व नगर पार्षद बने हुए हैं।

उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग 1980 में लागू किया गया था, लेकिन उसका विस्तारण चौधरी देवीलाल ने 1987 में किया।

चौधरी देवीलाल ने पिछड़ा वर्ग के छात्रों को उत्थान के लिए छात्रवृत्ति, परीक्षा व साक्षात्कार में शामिल होने के लिए फ्री बस की शुरूआत की थी। प्रदेश अध्यक्ष राजेश सैनी ने बताया कि वीरेंद्र सिंह डूमरखां कहते थे कि 100 करोड़ रुपये राज्यसभा का सदस्य बनते है। पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओमप्रकाश चौटाला ने समाज के रामकुमार कश्यप, रणबीर गंगवा, राव मानसिंह को राज्यसभा का सदस्य बनाकर पिछड़ा वर्ग का मान सम्मान बढ़ाया था। मनोहर लाल सैनी को दो बार लोकसभा का सदस्य बनाया, कैलाशों सैनी को दो बार लोकसभा का सदस्य बनाया, गुरदयाल सैनी को लोकसभा का सदस्य बनाया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अमरजीत ढांडा होंगे। बैठक के बाद सेल के जिला अध्यक्ष राजकुमार जांगड़ा के निवास पर पहुंचकर प्रसाद लिया।

इस मौके केशव वर्मा, रतन सोनी, सुदेश जांगड़ा, बजरंग गुर्जर, दिनेश प्रजापत, दिनेश सैनी, थावर सिंह, शेखर, रविंद्र, इंद्रपाल, वीरेंद्र घटाशेर, अनमोल गुप्ता, सत्तू खटीक, नवीन राव, सुनील जेवली, हरचंद मास्टर, कुणाल शुक्ला, सुरेश शास्त्री, सुरेंद्र पटीकारा, बेदू राता, अशोक, दिनेश तंवर, प्रमोद ताखर, विजयपाल, विनोद भील, संदीप भाखर, जिला प्रवक्ता विजय छिलरो आदि मौजूद थे।

नारनौल। बैठक को संबोधित करते जजपा बैकवर्ड क्लास के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सैनी। फोटो : हरिभूमि

लोग अवैध कॉलोनियों में रहने को विवशः राव सुखबिंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार ने जो कलेक्टर रेट प्रस्तावित किए हैं, उनमें नारनौल हलके के गांवों व शहर में 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करके लोगों की कमर तोड़ दी है। नारनौल शहर की एक भी कॉलोनी भाजपा सरकार ने नियमित नहीं की है, वहीं जो गांव नगर परिषद में शामिल किए गए थे, उनमें विकास के नाम पर एक ईंट नहीं लगाई गई है, बिना कोई सुविधा दिए ही सरकार ने कलेक्टर रेट में 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करके अपना जन विरोधी चेहरा उजागर कर दिया है और लोगों के अपने घर के सपने को चकनाचूर कर दिया है। उक्त आरोप वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व अधीक्षण अभियंता राव सुखबिंद्र सिंह ने लगाते हुए कहा है कि भाजपा सरकार विकास के नाम पर लगातार प्रदेश की जनता की जेब काटने का काम कर रही है। पहले ही प्रदेश की जनता महंगाई और बेरोजगारी की मार झेल रही है। ऊपर से सरकार ने पहले बिजली महंगी की और अब कलेक्टर रेट बढ़ा दिए। भाजपा सरकार ने पिछले साल ही रेट बढ़ाए थे, एक साल में ऐसा प्रॉपर्टी में क्या उछाल आ गया, जो कृषि, रिहायशी और व्यावसायिक सभी प्रकार की भूमि के 50 प्रतिशत तक रेट बढ़ा दिए।

नारनौल। प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

राजवंशी स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

नारनौल। राजवंशी सीनियर सेकेंडरी स्कूल दौचाना में बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस शाखा की ओर से किया गया। जिसमें बच्चों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से सुंदर चित्रों के रूप में प्रस्तुत किया। इस रचनात्मक गतिविधि का नेतृत्व विद्यालय के प्राचार्य दिनेश कुमार व एसबीआई के प्रबंधक अनिल यादव ने किया। जिनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन से यह आयोजन सफल रहा। उनके साथ आरती, अंकुर और मनीषा ने सहायक भूमिका निभाई और बच्चों को रंगों के चयन, प्रस्तुति और कलात्मक सोच को दिशा देने में सहयोग किया। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से सीनियर केजी तक के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय के प्रबंधक दिनेश कुमार ने एसबीआई टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियां विद्यार्थियों के समग्र विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। अंत में बच्चों को एसबीआई की ओर से प्रमाण पत्र व प्रेरणात्मक उपहार भी भेंट किए गए।

राव सुल्तान स्कूल का खेल प्रतियोगिता में लहराया परचम

महेंद्रगढ़। राव सुल्तान सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल निम्बहेड़ा के बच्चों ने खंड स्तरीय स्कूल खेल में अपना परचम लहराया। विद्यालय के कोच कपिल के अनुसार 69वीं राजकीय खंड स्तरीय स्कूल का आयोजन महेंद्रगढ़ के खेल स्टेडियम में करवाए जा रहे हैं। यह प्रतियोगिता एक अगस्त से पांच अगस्त तक संपन्न करवाए जाएंगे। हमारे विद्यालय के दो बच्चे आकाश पुत्र अनिल कुमार बलायचा ने अंडर-19 में 200 मीटर दौड़ में प्रथम, गौरव पुत्र सूबेसिंह जांजडियावास ने अंडर-17 में लंबी कूद में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय में पहुंचने पर दोनों बच्चों का माला व मेडल पहनाकर स्वागत किया गया। संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव ने बताया कि पीछे भी पहली बार शुरू किया गया हरियाणा ओपन किड्स में भी विद्यालय के दो बच्चों ने स्टेट लेवल पर गोल्ड मेडल जीतकर नाम रोशन किया था। प्राचार्य राजकुमार शर्मा ने भी बच्चों को बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य कामना की। इस अवसर पर उपप्राचार्य रामकुमार, कर्ण सिंह निंबल, संजय पीटीआई व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

महेंद्रगढ़। विजेता बच्चों को सम्मानित करतू हुए। फोटो : हरिभूमि

इंडस वैली में हुई वाद-प्रतिवाद प्रतियोगिता

महेंद्रगढ़। गांव दौंगड़ा अहीर स्थित इंडस वैली पब्लिक स्कूल में सोशल मीडिया विषय पर वाद-प्रतिवाद प्रतियोगिता हुई। संचार-माध्यम के इस विषय पर पक्ष और विपक्ष में विभिन्न समुदायों के बीच में प्रतिस्पर्धा हुई। सभी प्रतिभागियों ने धैर्य, सूझ-बूझ एवं तर्क के साथ आपस में जवाब दिए। आज की इस प्रतियोगिता का सार यह है सोशल मीडिया के फायदे और नुकसान दोनों है। इसका उपयोग सावधानी और संयम से करना चाहिए। इसके नकारात्मक प्रभावों से बचने के लिए संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। विजेता बच्चों को पारितोषिक देकर संस्था के प्राचार्य जयवीर सिंह यादव ने सम्मानित किया और जिन अध्यापकों ने बच्चों को तैयारी करवाई उन्हें भी साधुवाद एवं धन्यवाद दिया। संचार माध्यम के पक्षकारों में प्रथम निधि कक्षा बारहवीं गामा, द्वितीय अक्षिता कक्षा आठवीं गामा एवं तृतीय स्थान अंजेल कक्षा छठी गामा का रहा और विपक्षकारों में प्रथम प्रियांशी कक्षा आठवीं गामा, द्वितीय महक कक्षा बारहवीं गामा एवं तृतीय स्थान मयंक कक्षा सातवीं बीटा का रहा। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन धर्मेन्द्र यादव, उप चेयरमैन विजय सिंह, निदेशक केसी यादव, प्राचार्य जयवीर सिंह यादव, उप प्राचार्य वीर सिंह यादव व प्राईमरी हैड नरेंद्र कुमार सहित अन्य स्टॉफ ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

सर्व अजा संघर्ष समिति खंड निजामपुर के प्रधान बने महाबीर प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ? नारनौल

सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के तत्वावधान में खण्ड कार्यालय के प्रांगण में निजामपुर समिति के त्रिवार्षिक खंड स्तरीय चुनाव करवाने के संबंध में समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसका संचालन करते हुए समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के वाईस चेयरमैन बिरदी चंद गोठवाल ने सभा में गत बैठक की कार्रवाई पढ़कर सुनाई, जिसका सर्व सहमति से अनुमोदन कर दिया गया।

इसके बाद गोठवाल ने सभा को सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति द्वारा अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी भी दी। चुनाव अधिकारी एडवोकेट भीमसिंह दहिया व सहायक चुनाव अधिकारी पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक जयपाल सिंह व हरिराम सिरोहा की अगुवाई में खण्ड निजामपुर के विभिन्न पदों का आम सहमति से निर्विरोध चयन कर दिया गया। जिसमें प्रमुख सलाहकार ताराचंद व जगदीश टकनेट, प्रधान महाबीर प्रसाद, वरिष्ठ उप प्रधान भूपसिंह, उप प्रधान धर्मपाल, सचिव हवासिंह व कोषाध्यक्ष ज्ञानीराम को आम सहमति से निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। समिति की ओर से सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को फूलमालाएं पहनाकर व बाबा डॉ. भीमराव अम्बेडकर की फोटो भेंटकर सम्मानित किया गया और समिति के प्रमुख सलाहकार लालाराम नाहर ने सभी पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। खण्ड निजामपुर के प्रधान महाबीर प्रसाद ने आश्वासन दिया कि दलितों के हक, अधिकार व सामाजिक न्याय की लड़ाई में निजामपुर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी हमेशा अहम भूमिका निभाएगी।

समिति प्रधान चन्दन सिंह जालवान ने सफल व शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न होने पर सभी का आभार व्यक्त किया तथा खण्ड महेंद्रगढ़ के आगामी चुनाव रविदास धर्मशाला में 10 अगस्त को करवाने की पुष्टि की। इस मौके पर समिति के रामकुमार ढैणवाल, सुमेर सिंह गोठवाल, खण्ड प्रधान सुरेश नारनौलिया, राजेश कुमार, एडवोकेट अमित चौधरी, जसवंत भाटी, कृष्ण कुमार, सरजीत डेबानिया आदि मौजूद थे।

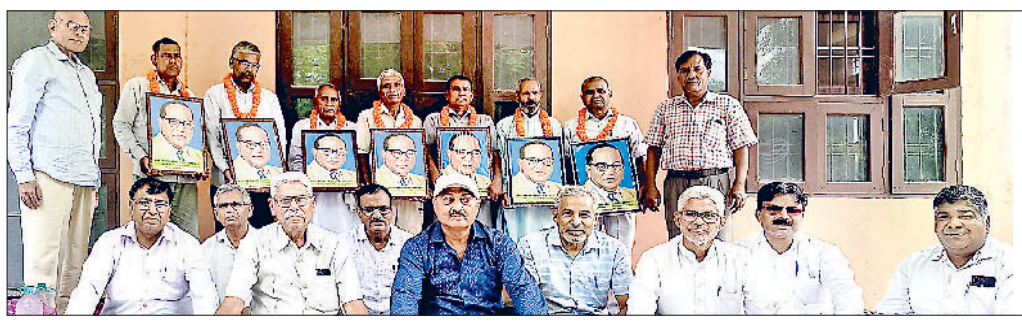

नारनौल। नवनिर्वाचित पदाधिकारी व समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

जीनियस एकेडमी में मनाया गया 20वां स्थापना दिवस

महेंद्रगढ़। जीनियस एकेडमी में अपना 20वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि आरपीएस ग्रुप के सीईओ मनीष राव व मॉर्डन स्कूल के चेयरमैन सतन उपस्थित रहे। इस दौरान सांस्कृतिक प्रोग्राम व परितोषण का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी नौकरियों में चयनित विद्यार्थियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मुख्यातिथि मनीष राव ने एकेडमी डायरेक्टर अमित यादव को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी एवं सभी उपस्थित विद्यार्थियों को मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए एवं धैर्य रखना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि हमें अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। मनीष राव ने बताया कि आज महेंद्रगढ़ शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का उदाहरण देते हुए कहा कि हमें अपने सपने बड़े रखने चाहिए और उन्हें साकार करने के लिए लगातार मेहनत करनी चाहिए। चेयरमैन सतन ने भी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि अगर आपको ऊंची मंजिल जाना है तो अपना आधार मजबूत बनाना पड़ेगा। एकेडमी डायरेक्टर अमित यादव ने कहा कि जीनियस एकेडमी पिछले 20 वर्षों से इस क्षेत्र की सेवा में कार्यरत है।

महेंद्रगढ़। सीईओ मनीष राव को सम्मानित करते अमित यादव।

खबर संक्षेप

सुरेन्द्र जैन आईटी टीम में शामिल

नारनौल। भाजपा जिला आईटी टीम घोषित टीम में क्षेत्र के सुरेन्द्र जैन को आईटी टीम में जिला कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया है। सुरेन्द्र जैन ने इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली, प्रदेश के आईटी टीम प्रमुख आदित्य चावला, पूर्व मंत्री व विधायक ओमप्रकाश यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष यतेंद्र राव, जिला आईटी प्रमुख आनंद महता व शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया है। सुरेंद्र जैन ने कहा कि वह इस जिम्मेदारी पर खरा उतरेंगे और संगठन को सशक्त करने का काम करेंगे।

रेलवे लाइन पर मिला अज्ञात युवक का शव

नारनौल। रेलवे लाइन पर एक अज्ञात युवक का शव जीआरपी ने बरामद किया है। युवक की रात को किसी ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त के लिए नागरिक अस्पताल की मॉचरीं में रखवा दिया है। जीआरपी से कैलाशचंद्र ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि न्यू अटेली रेलवे स्टेशन से न्यू रेलवे स्टेशन रेवाड़ी के बीच कुंड के नजदीक रात को किसी ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई।

नांगल में देशी घी का भंडारा आज

मंडी अटेली। गांव नांगल में तीन अगस्त को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। सज्जन कुमार ने बताया कि भंडारे में हरियाणवी कलाकार सुभाष बोस एंड पार्टी बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे तथा आलोकिक झांकियां निकाली जाएगी। वहीं देशी घी के भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

लापता युवक का शव गांव के मुर्गी फार्म से बरामद

कनीना। गांव स्याणा से पिछले करीब दस दिन पूर्व लापता हुए 24 वर्षीय अविवाहित युवक विकास का शव गांव में बने मुर्गी फार्म के समीप से बरामद हुआ है। जिसका पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने परिजनों की ओर से दी गई शिकायत के हवाले से बताया कि युवक ने 31 जुलाई की मध्य रात्रि मुर्गी फार्म पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह ग्रामीणों व परिजनों ने शव को देखा तो पुलिस को सूचना दी।

टैगोर स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा एक पेड़ मां के नाम विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन टैगोर स्कूल नांगल चौधरी में करवाई गई। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। डारेक्टर आदित्य शर्मा ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए पेड़ों के महत्व को विस्तार सेबताया और अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया।

पुलिस ने सीसीटीवी खंगालने के अलावा तीनों गाड़ियों को कब्जे में लेकर जांच तेज की

अटेली में कैंपर में आए युवकों ने फिल्मी स्टाइल में तोड़े तीन गाड़ियों के शीशे

एक पीड़ित स्विफ्ट कार वाला अटेली कस्बे में फाईबर दुकान का चलाता है तथा अटेली गांव का रहने वाला है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। गाड़ियां क्षतिग्रस्त करने पर जांच करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

कस्बे में नारनौल रेवाड़ी रोड पर वेयर हाउस के समीप शनिवार को सायं करीब साढ़े 4 बजे एक सफेद रंग की कैंपर में बैठक कर आए युवकों ने तीन गाड़ियों के शीशे तोड़ कर उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। ये असामाजिक तत्व गाड़ियों में आए और फिल्मी स्टाईल में शीशे तोड़ कर मौके से रेवाड़ी की तरफ भाग गए। घटना की सूचना पाकर तत्काल प्रभाव से पुलिस की 112 गाड़ी पहुंची। उसके बाद अटेली थाना पुलिस मौके पर पहुंच जांच पड़ताल कर नारनौल पुलिस अधीक्षक व शीर्ष अधिकारियों को सूचना प्रेषित कर दी। पुलिस आसपास के लोगों, पीड़ित गाड़ियों के मालिक व चालकों के अलावा सीसीटीवी खंगाल रही है। तीन गाड़ियों में हजारों रुपये का हुआ नुकसान है, कारणों का अभी मालूम नहीं चला है, पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार साढ़े 4 बजे एक सफेद रंग की कैंपर में बैठ कर आए 4-5 युवक अटेली शहर में वेयर हाउस के समीप रूके तथा दो स्विफ्ट कार, एक बुलेरो को राड व लोहे के सरियों से गाड़ियों की ताबड़तोड़ हमला कर शीशे तोड़ दिए। एक पीड़ित स्विफ्ट कार वाला अटेली कस्बे में फाईबर दुकान का मालिक है तथा अटेली गांव का रहने वाला है। उसने अपनी दुकान के सामने गाड़ी खड़ी की हुई थी। बताया जाता है सबसे पहले कैंपर में बैठे बदमाशों ने वेयर हाउस के समीप एक बुलेरो के शीशे तोड़े। उसके बाद पास में खड़ी स्विफ्टों पर लोहे की रोड आदि से हमला किया और मौके से फरार हो गए। बुलेरो चालक प्रवीण कटकई तथा दूसरे स्विफ्ट चालक महासर का रहने वाला है। मौके पर पहुंच कर पुलिस सीसीटीवी खंगालने के अलावा तीनों गाड़ियों को अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल तेज कर दी है। वहीं इस घटना को लेकर अटेली शहर के लोगों में दिन-दहाड़े गाड़ियों के शीशे तोड़ने पर भय का माहौल बना हुआ है।

आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

पूर्व जिला पार्षद अश्विनी कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता डा. जितेंद्र पाल, अनिल प्रधान आदि ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं अटेली पुलिस के पीएसआई रामलखन ने बताया कि क्षतिग्रस्त गाड़ियों की गहन जांच कर रहे हैं। फिलहाल हमारे पास किसी की तरफ से कोई लिखित शिकायत नहीं आई है। ऐसे में गाड़ियां किनकी है, वह कुछ कह नही सकते।

मोहम्मदपुर में नहरी पुल के खतरनाक मोड़ पर नहीं लगा संकेतक, हादसों का डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र के गांव दुलोठ जाट से सिलारपुर के रास्ते पर बनी मोहम्मदपुर रीच नहर के पुल पर खतरनाक मोड़ पर संकेतक चिह्न नहीं होने के चलते हादसों को निमंत्रण दे रहा है। दोनों गांव की ग्रामीणों को कहना है इस छोटी नहर के पुल पर हादसे की आशंका हमेशा बनी रहती है। इस सड़क मार्ग में नहर के पुल पर ढलान वाला मोड़ है, वहीं अटेली से इस सड़क मार्ग पुल पर ज्यादा घुमाव है। इसी पुल पर दुलोठ जाट निवासी 40 वर्षीय धर्मबीर पुत्र रमेश की बाइक गिरने के चलते मौत भी हो चुकी है। इस बारे में दुलोठ जाट के सरपंच प्रीत्तम ने बताया कि दुलोठ जाट से सिलारपुर के रास्ते पर बनी मोहम्मदपुर रीच नहर का पुल जर्जर हो गया है। इस नहर के पुल पर संकेतक चिह्न नहीं होने के चलते आए दिन हादसे होते रहते हैं। रात्रि के समय अगर वहां आता है तो नहर व पुल नजर नहीं आता है। इस बारे में स्वास्थ्य मंत्री आरती राव व जिला प्रशासन को अवगत भी करा दिया है, परंतु अभी तक समाधान नहीं हुआ है। अटाली के सरपंच जीतपाल, सिलारपुर के सरपंच रतन सिंह, दुलोठ जाट सरपंच प्रीतम ने इस पुल को ठीक करवाने एवं सड़क पर संकेतक लगवाने के जिला प्रशासन से मांग की है।

मूट कोर्ट प्रतियोगिता में बच्चों ने लिया भाग

■ डॉ. ओपी यादव एडवोकेट की स्मृति में पहली मूट कोर्ट प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस स्कूल खातोद में शनिवार को आरपीएस ग्रुप के फाउंडर डायरेक्टर डॉ. ओपी यादव एडवोकेट की स्मृति में पहला मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य न्यायिक क्षेत्र को अपनाने वाले छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी विशेषज्ञता और कानूनी पेशे में उत्कृष्टता व आत्मविश्वास बढ़ाना रहा। ऐसी अदालतों के माध्यम से इस क्षेत्र की जटिलताओं से निपटने के लिए आवश्यक कौशल विकसित किए जाते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने बतौर मुख्यातिथि किया। वही विशिष्ट अतिथि इंजीनियर मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव थे व अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने की। जज की भूमिका में सीनियर विंग हैड देवेन्द्र पूनिया, प्रवक्ता हरिप्रकाश जोशी, प्रवीण राव, अतुल तिवारी, अवनीत शेखावत ने निभाई। विद्यालय के क्लेट विद्यार्थियों ने मूट कोर्ट प्रतियोगिता में वादी और प्रतिवादी नामक दो टीमों के माध्यम से काल्पनिक कानूनी मुद्दों पर जीवंत बहस की, जिसमें भारतीय न्याय संहिता और आईपीसी के तहत काल्पनिक मामलों की सुनवाई करते हुए बहस की जिससे उन्हें अपने सैद्धांतिक ज्ञान का प्रयोग करने का अवसर मिला। इस दौरान विद्यार्थियों के जोशीले तर्कों को दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के समापन पर बेस्ट एडवोकेट का अवार्ड श्रेयसी व श्रेया को मिला। बेस्ट गवाह का अवार्ड आर्या देशवाल को तथा स्पंदन की टीम को बैस्ट टीम का अवार्ड मिला।

गांव खायरा में पर्यावरण संरक्षण को लेकर किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मास्टर मुसद्दीलाल जन सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में गांव खायरा में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान गांव के जलघर के पास पीपल, नीम व बरगद के पौधे लगाए गए। पंचायत समिति सदस्य बलायचा कैलाश शास्त्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हम सब को एक पेड़ मां के नाम मुहिम से जुड़कर एक-एक पौधा लगाकर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सब को लेनी चाहिए। इस दौरान डॉ. बस्तीराम यादव ने कहा कि पर्यावरण असंतुलन के कारण अनेक प्रकार की बीमारियां बढ़ रही है। अगर आने वाली पीढ़ी को कुछ देना चाहते हैं तो उन्हें स्वच्छ पर्यावरण मिले इसके लिए हम सब को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी बड़े होने तक देखभाल करनी चाहिए। इस मौके पर राजेन्द्र सिंह पोपली, पूर्व सरपंच खायरा पन्नालाल, सरपंच कंवर सिंह, शैतान सिंह सहित गांव व क्षेत्र के अन्य लोग उपस्थित रहे।

नारनौल। डीईओ सुभाष सामरिया को सम्मानित करते हुए गणमान्य अधिकारी।

मनुष्य को अपने कार्य के प्रति सजग होना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शिक्षा विभाग में रेवाड़ी के जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष चंद सामरिया के सेवानिवृत्ति अवसर पर बीती रात्रि को कुलताजपुर रोड स्थित उत्सव गार्डन में विदाई समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में रेवाड़ी के वर्तमान जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष चंद यादव मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष जिला परियोजना समन्वयक अधिकारी राजेंद्र शर्मा ने कहा कि सुभाष सामरिया अध्यापक से व्याख्याता, प्राचार्य और अधिकारी के रूप में रहकर छात्र हितों एवं कर्मचारियों के लिए समर्पित भावना के साथ कार्य किया। उनका कार्य हमेशा साक्ष्य रूप से अगोचर रहेगा।

गणेश पूजा के साथ रामलीला मंचन का अभ्यास किया शुरू

■ सब्जी मंडी के नजदीक स्थित श्री आदर्श रामलीला कमेटी के रंगमंच पर भगवान राम की मानवीय लीलाओं के मंचन का अभ्यास किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। गणेश पूजा में भाग लेते रामलीला परिषद् के सदस्य।

शहर की सब्जी मंडी के नजदीक स्थित श्री आदर्श रामलीला कमेटी के रंगमंच पर भगवान राम की मानवीय लीलाओं के मंचन का अभ्यास गणेश पूजन के साथ शुरू किया गया। पंडित हरिशंकर कौशिक ने पूजन का कार्य संपन्न करवाया पूजन में मुख्य यजमान प्रधान सुरेंद्र बंटी, पूर्व प्रधान हरिसिंह यादव, सचिव मनोहर लाल यादव व लक्ष्मी नारायण सैनी रहे।

पूजन के बाद भगवान राम की आरती की गई। इसके बाद रामलीला मंचन का अभ्यास शुरू किया गया। उप प्रधान जोगेंद्र सेठ, सुरेश गोस्वामी व गोविंद राम सैनी ने कहा कि रामलीला मंचन का अभ्यास प्रतिदिन रात आठ बजे से 11 बजे तक चलेगा। इस मौके पर भगवान दास सैनी, शुभम तिवाड़ी, मोई गुर्जर, कर्म खन्ना, ललित यादव, राहुल यादव, रवि यादव, ललित तवंर, एडवोकेट श्याम सुंदर, विजय प्रजापत, सतीश सोनी, मोहित कुमार, राजेंद्र शर्मा व समर कुमार आदि मौजूद रहे।

प्राचार्या ने नवनियुक्त एसडीएम से की शिष्टाचार भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नव नियुक्त एसडीएम से शिष्टाचार भेंट करती प्राचार्या।

स्थानीय राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. पूर्ण प्रभा ने नवनियुक्त उपमंडल अधिकारी कनिका गोयल से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्राचार्य ने उन्हें पौधा भेंट कर उनका अभिनंदन व स्वागत किया। इस दौरान महाविद्यालय की पुरानी बिल्डिंग की मरम्मत एवं मरम्मत कार्य की शीघ्रता से आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया गया। प्राचार्य डॉ. पूर्ण प्रभा ने अवगत करवाया कि वर्तमान में चल रही बारिश के मौसम में भवन की जर्जर स्थिति विद्यार्थियों की पढ़ाई में बाधा उत्पन्न कर रही है। उन्होंने एसडीएम कनिका गोयल से अनुरोध किया कि लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि मरम्मत कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जा सके। एसडीएम कनिका गोयल ने मामले की गंभीरता को समझते हुए आश्वासन दिया कि वे लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का उचित निर्देश जारी कर इस कार्य का शीघ्र पूर्ण करवाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थियों की सुविधाएं प्राथमिकता में हैं और इस दिशा में वे पूर्ण संकल्प के साथ कार्य करेंगी। इस अवसर पर प्रो. जितेन्द्र कुमार वशिष्ठ व शंकर लाल भी उपस्थित रहे।

मोहल्ला दयानगर में माता की चौकी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नारनौल। यजमान को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। टाईगर क्लब परिवार के तत्वावधान में शनिवार रात को प्राचीन शिव मंदिर मोहल्ला दयानगर में माता की चौकी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता टाईगर क्लब परिवार के प्रधान राकेश यादव व उप प्रधान राजेश सैनी ने की। माता रानी की चौकी के मुख्य यजमान हरि ह सैनी व उनकी पत्नी सीमा सैनी सपरिवार रहे। पूजन में महावीर सिंह यादव स पत्नी सुनीता यादव, प्रवीण यादव, पत्नी मोनिका यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक टीटू सोनी, प्रवीण यादव, सुनील शर्मा, एडवोकेट विश्वास यादव, प्रधान राकेश यादव, कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र बंसी ने बताया कि माता की चौकी में सर्वप्रथम कार्यक्रम पुरोहित पंडित नारायण शास्त्री ने विधिवत पूजन किया। गणेश वंदना मोहन सागर व माता का आह्वान गायकर नवीन वशिष्ठ ने किया। इस अवसर पर मोहन सागर ने मैया तेरे दरबार की महिमा निराली है, सोनू पागल ने आ मां आ तुझे दिल ने पुकारा, मैया जी मेरे घर आना, बिगड़ी मेरी बना दे, विकास जांगिड़ ने तेरे दरबार में आया श्याम मेरे कर दो वारे नारे, परमानंद वर्मा ने तुझ से मिलने को भोले तेरे दर पर आते हैं, ऊंचे पहाड़ों पर तेरे दर्शन पाते हैं, मां वैष्णो का चोला है रंगला, नवीन वशिष्ठ ने सर को झुका लो, शेरावाली को मना लो, करती मेहरबानियां, नरेंद्र बंसी ने हारे के सहारे आजा तेरा दास पुकारे आजा आदि भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तजनों को भाव विभोर कर दिया। टाईगर क्लब परिवार के प्रधान राकेश यादव, सचिव नरेंद्र बंसी, कार्यक्रम उप प्रधान राजेश सैनी, सह संयोजक टीटू सोनी व प्रवीण यादव, सुनील शर्मा, रवि खन्ना, ललित सैनी, नवीन वशिष्ठ, नारायण शास्त्री ने यजमान को स्मृति चिह्न भेंट किया।

गुर्जर समाज कुरीतियों के विरुद्ध आज ताजीपुर में करेगा बैठक

नारनौल। गुर्जर कल्याण परिषद के अध्यक्ष कुलदीप सिंह भरगड़ एडवोकेट ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ के गुर्जर समाज के सभी गांवों की सरदारी, प्रतिनिधि, नंबरदारगण और मुख्य सामाजिक पंच-पटेल एवं जो समाज हित में रुचि वाले सज्जनों और युवाओं ने समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने के लिए तीन अगस्त को दोपहर दो बजे बालाजी धाम श्री हीरा गिरी महाराज आश्रम (तालाब पर धौलेड़ा रोड) गांव ताजीपुर में एक जिला स्तरीय बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के सपनों को साकार करने के उद्देश्य से यह बैठक बुलाई गई है। इस बैठक का मुख्य एजेंडा मृत्यु भोज, दहेज प्रथा एवं अन्य कुरीतियों से समाज कसे छुटकारा दिलाना है। इसके बाद 5 अक्टूबर को श्री देवनारायण गोशाला पनियाला मोड़ कोटपुतली में वीर गुर्जर महापंचायत होगी, जिसमें जिला महेंद्रगढ़ एवं कोटपूतली तथा आसपास के 30/40 तहसीलों की सरदारी भाग लेगी, जिसमें समाज हित में ऐतिहासिक निर्णय लिए जाएंगे।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भेजा पत्र

रेल सेवाओं के विस्तार के लिए स्वास्थ्य मंत्री ने उठाई रेल यात्रियों की आवाज

■ गाड़ियों के नियमित संचालन व ठहराव की मांगू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव।

हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री आरती सिंह राव ने अटेली नारनौल क्षेत्र के यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही रेल समस्याओं के समाधान के लिए एक अहम पहल की है। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर क्षेत्र में रेल सेवाओं के विस्तार, गाड़ियों के नियमित संचालन व ठहराव सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

यह पत्र अटेली नारनौल जिला महेन्द्रगढ़ के दैनिक रेल यात्री संघ की ओर से उठाई गई मांगों और स्थानीय नागरिकों की आवश्यकताओं के मद्देनजर भेजा गया है। मंत्री आरती सिंह राव ने पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया कि अटेली, नारनौल और महेन्द्रगढ़ क्षेत्र के लोगों को सीमित रेल सुविधाओं के चलते रोजमर्रा की यात्रा में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिसे शीघ्र दूर किया जाना आवश्यक है।

समधान की मांग

मंत्री आरती सिंह राव ने अपने पत्र में यह भी लिखा कि क्षेत्र के हजारों दैनिक यात्रियों को कामकाजी व पारिवारिक कारणों से नारनौल, रेवाड़ी, जयपुर, दिल्ली जैसे बड़े शहरों की यात्रा करनी पड़ती है, लेकिन सीमित ट्रेनों और उनके ठहराव की अनुपलब्धता के कारण उन्हें वैकल्पिक और असुविधाजनक साधनों का सहारा लेना पड़ता है। उन्होंने पत्र में लिखा की रेल सेवाओं में सुधार से ना केवल आमजन को राहत मिलेगी, बल्कि क्षेत्र की सामाजिक आर्थिक स्थिति को भी बल मिलेगा। मंत्री ने आशा जताई कि केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इस विषय में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेंगे और अटेली नारनौल क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेंगे।

मंत्री ने विशेष रूप से मांगें उठाई कि स्पेशल गाड़ियों को नियमित किया जाए। जिसमें गाड़ी संख्या 09425, 09426, 09557, 09558, 09637, 09638 व 09639, 096340 को नियमित रूप से चलाया जाए। गाड़ी संख्या 05097, 05098, 22451, 22452, 22949, 22950, 12065, 12066, 09425, 09426 व 09557, 09558 का ठहराव अटेली रेलवे स्टेशन पर अनिवार्य रूप से किया जाए। अटेली व महेन्द्रगढ़ क्षेत्र के यात्रियों की सुविधा हेतु नई रेलगाड़ियों का संचालन आरंभ किया जाए।

देश के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय की राजधानी शिलांग के उत्तर-पूर्व में खासी पहाड़ियों के बीच बसा मॉसिनराम ग़ांव विश्व में सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में जाना जाता है। साल में लगभग आठ महीने बारिश से भीगने वाले इस गांव की अनेक विशेषताएं इसे दुनिया में अलग पहचान प्रदान करती हैं। क्यों होती है यहां इतनी बारिश, कैसे रहते हैं स्थानीय लोग वहां, विस्तार से जानिए।

बादलों और बारिश का बसेरा
मॉसिनराम गांव

टूरिस्ट स्पॉट / वीना गौतम

चाहे कोई शहर हो, कस्बा हो या फिर गांव, हर जगह की अपनी एक निजी पहचान, कुछ अलग विशेषता होती है। यही विशेषता उस स्थान विशेष को एक लैंडमार्क के रूप में स्थापित करती है। भारत में ऐसा ही एक स्थान है, मेघालय की राजधानी शिलांग में स्थित मॉसिनराम गांव।

सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान

आज से कुछ दशक पूर्व तक चेरापूंजी विश्व के सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में जाना जाता था। लेकिन अब मॉसिनराम को सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान का खिताब प्राप्त है। दरअसल, 1973 से 2019 के बीच मौसम विज्ञान के डेटा के मुताबिक चेरापूंजी में मॉसिनराम से 0.42 मिलीलीटर कम बारिश होने लगी थी। इस अंतर को देखते हुए सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान का जो ताज चेरापूंजी के सिर पर हुआ करता था, वह मॉसिनराम नामक गांव के सिर पर सज गया।

इसलिए होती है सर्वाधिक बारिश

सवाल है आखिर मॉसिनराम में दुनिया की सबसे ज्यादा बारिश कैसे होती है? जबकि दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगहें आमतौर पर भूमध्य रेखा के आस-पास होती हैं। दुनिया में भौगोलिक रूप से देखा जाए तो सबसे ज्यादा बारिश दक्षिण अमेरिका, मध्य-पश्चिमी अफ्रीकी देशों और कुछ दक्षिण-पूर्वी एशिया के देशों में होती है। फिर मॉसिनराम ने दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश की बाजी कैसे मार ली? इसका जवाब है कि आमतौर पर मई से सितंबर तक यहां जो बारिश होती है, उसका सबसे बड़ा कारण इस गांव की अपनी खास भौगोलिक स्थिति है। शिलांग से लगभग 60 से 65 किलोमीटर दूर उत्तर पूर्वी दिशा में खासी पहाड़ियों के बीच बसा यह गांव अपनी विशेष स्थिति के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान पानी से भरी बदलियों का डेरा बन जाता है। खासी पहाड़ियों की खास स्थिति इन पानी से भरी बदलियों को आवभगत के लिए रोकती है और ठीक तभी बंगाल की खाड़ी से आने वाली गर्म और नम हवाएं इन्हें यहां झूमकर बरस जाने के लिए मजबूर कर देती हैं। 1491 मीटर ऊंची खासी पहाड़ियों के कारण ही इन बादलों की नमी संघनित होकर बारिश में बदल जाती है।

बांस के छाते से खुद को भीगने से बचाते स्थानीय लोग

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र

हर वर्ष मई से सितंबर तक यहां प्रायः हर रोज कम से कम एक बार तो झूमकर बादल बरसते ही हैं। यही नहीं ये बादल दिन के ज्यादातर समय यहां डेरा डाले रहते हैं। पहले देश-विदेश के लोग चेरापूंजी इसलिए घूमने जाया करते थे कि यह भारत और दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह थी, उसी तरह अब लोग मॉसिनराम जाते हैं। पर्यटकों की वजह से यहां के लोगों के आय का स्रोत भी थोड़ा बढ़ा है। चेरापूंजी के सिर से हालांकि सर्वाधिक बारिश वाला ताज तो इसके पड़ोसी मॉसिनराम ने छीन लिया, लेकिन आज भी चेरापूंजी दुनिया में दूसरे नंबर के सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह बनी हुई है। मॉसिनराम का मौसम सालभर ठंडा और ह्यूमिड यानी नमी वाला रहता है। हां, इसके बावजूद यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए पर्यटकों को आकर्षित करती है। यही कारण है कि शिलांग या चेरापूंजी घूमने का कार्यक्रम बनाने वाले लोग अब मॉसिनराम को भी अपने पर्यटन शिड्यूल शामिल करते हैं। क्योंकि यह भारत के नक्शे में एक विशिष्ट लैंडमार्क है।

दुनिया का सर्वाधिक नम स्थान भी है मॉसिनराम

ये खूबियां बनाती हैं खास

इस गांव की अपनी कई और खूबियां भी हैं। हर समय बारिश होने के कारण यहां पानी में उगने वाली कई पत्तेदार सब्जियां खूब मिलती हैं। कई तरह के मौसमी फल भी यहां खूब मिलते हैं। पानी भरपूर होने के कारण मछलियां भी खूब पाई जाती हैं। देश के दूसरे हिस्सों में जब बारिश होती है तो आमतौर पर जनजीवन ठहर सा जाता है। लेकिन मॉसिनराम गांव में ऐसा नहीं होता। यहां के लोग बारिश के बीच चलते-फिरते और घूमते रहते हैं। यहां के बाशिंदे बारिश के समय भीगने से बचने के लिए खास तरह के बांस के बने छातों का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें कनूप कहते हैं। यह कनूप सिर्फ यहां की ही नहीं चेरापूंजी की भी पहचान है। दरअसल, इससे यहां के लोगों का कमर तक शरीर ढका रहता है और वे अपने सारे काम करते रहते हैं।

इसके नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

मॉसिनराम के पास दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है। यहां पूरे साल में करीब 6 से 8 महीने लगभग हर दिन एक बार बारिश होती है और यहां देश के किसी भी बाकी हिस्से से लगभग 10 गुना ज्यादा बारिश होती है। एक साल में लगभग 11,871 मिलीमीटर। इतनी ज्यादा बारिश दुनिया में और कहीं नहीं होती। मॉसिनराम गांव, दुनिया में सबसे गीली जगह भी है। यहां पर 'वेटेस्ट प्लेस ऑफ अर्थ' का साइन बोर्ड भी लगा हुआ है।

हालांकि मॉसिनराम के दावे को चुनौती देने के लिए कुछ सालों पहले कंबोडिया के एक शहर यूरो ने दावा किया था कि उसके यहां साल में 12,717 मिलीलीटर बारिश होती है, लेकिन जब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा उसके दावे की जांच की गई, तो यह गलत पाया गया। माना गया कि शायद बारिश को नापने का उसका पैमाना, पुराना और पारंपरिक है, जिससे उनसे यह गलतफहमी हुई। *

वास्तव में जीरो नहीं होता है
लोन पर जीरो इंटरेस्ट

आकर्षक डिस्काउंट, जीरो इंटरेस्ट पर लोन जैसे प्रलोभनों के जाल में अकसर लोग फंस जाते हैं। इन ऑफर्स या लोन पर सामान खरीदना क्या वास्तव में फायदेमंद होता है? इसकी हकीकत आपको पता होनी चाहिए।

मनी मैटर्स / शिखर चंद जैन

चाहे 15 अगस्त हो या 26 जनवरी, क्रिसमस हो या न्यू ईयर, वैलेंटाइन-डे हो, वूमेंस-डे हो, दीपावली हो या होली, प्रायः हर फेस्टिवल, खास ऑकेजन पर प्रोडक्ट निर्माता कंपनियां अपने ग्राहकों को लुभाने के लिए तरह-तरह के ऑफर्स देती हैं। साथ ही कई डीलर या उनके साथ मिलकर काम करने वाले फाइनेंसर 'जीरो इंटरेस्ट' ईएमआई पर घरेलू उपकरण देने की पेशकश भी करते हैं। अकसर ग्राहक ऑफर्स के ऐसे भ्रम जाल में फंस जाते हैं।

जीरो इंटरेस्ट का फंडा: ईएमआई या लोन पर घरेलू सामान या मशीनरी की खरीद करते समय अच्छी तरह जान लें कि डीलर या फाइनेंसर मुफ्त समाज सेवा करने के लिए नहीं बैठा है। वे अपनी रकम के बदले ब्याज वसूल करते हैं। जीरो इंटरेस्ट के पीछे एक चतुराई भरा हिसाब-किताब होता है। पहली बात, नकद खरीद में एकमुश्त पैसा देकर खरीदने पर इलेक्ट्रिक आइटमों पर काफी डिस्काउंट दिया जाता है, जो ब्रांड और सामान की क्वालिटी पर निर्भर करता है। कई बार तो यह एमआरपी पर 40 फीसदी तक भी हो सकता है। लेकिन जब आप किश्तों पर सामान खरीदते हैं, तो सारा हिसाब-किताब एमआरपी के हिसाब से ही किया जाता है। मामूली डिस्काउंट दे भी दिया जाए, तो एडमिनिस्ट्रेशन या सर्विस चार्ज के नाम पर आपसे वसूली कर ली जाती है। साथ ही आप खरीददारी के वक्त जो डाउन पेमेंट देते हैं, वो हाथों-हाथ देने के बावजूद उस पर भी ब्याज जोड़ लिया जाता है। याद रखें, 'जीरो इंटरेस्ट' का ऑफर, प्रायः प्रोडक्ट की सेल बढ़ाने का मात्र एक तरीका होता है। सच तो यह है कि ज्यादातर फाइनेंस करने वाला, लोन की रकम पर पूरा ब्याज वसूलता है। लोन पर या किश्तों पर घरेलू उपकरण खरीदना अधिकांश मामलों में घाटे का सौदा ही होता है।

ऐसे भी मिल सकता है डिस्काउंट: कई बार डीलर आपको काफी डिस्काउंट और बहुत कम एडमिनिस्ट्रेटिव फीस में भी ईजी इंस्टॉलमेंट पर सामान देने के लिए तैयार हो जाता है। ऐसा करने के पीछे कुछ कारण होते हैं। जैसे- सामान को स्टॉक में रखने और हैंडल करने की बजाय बेचने में लाभ, वैसे गैजेट्स या उपकरण का कोई नया मॉडल बाजार में आ चुका हो या आने वाला हो, जिससे उसकी मांग में गिरावट आ सकती हो, काफी दिनों से स्टॉक में रहने के बावजूद उस मॉडल की बाजार में खास मांग न आ रही हो। इन स्थितियों में उपकरण की लाइफलाइन बहुत कम हो जाती है और रीसेल वैल्यू भी गिर जाती है। इसलिए प्रोडक्ट की पूरी जानकारी लेकर ही उसे खरीदें।

इन बातों पर विचार कर लें: अगर आपको लोन या किश्तों पर सामान खरीदना ही हो, तो डीलर से कंज्यूमर लोन लेने की बजाय दूसरे विकल्पों पर विचार करके देखें। अगर आपके अपने बैंक डिपॉजिट पर कम ब्याज दर पर लोन मिल रहा हो या उससे कम ब्याज दर पर पर्सनल लोन मिल रहा हो, तो उस पर विचार करें। क्रेडिट कार्ड पर सामान खरीदना तो कई बार और भी महंगा ऑप्शन साबित हो सकता है।

समझें जरूरत-दिखावे का अंतर: कई बार लोग जरूरत न होने पर भी देखा-देखी या दिखावे के चक्कर में अनावश्यक घरेलू सामान खरीद लेते हैं। यहां ध्यान देने की बात यह है कि घरेलू सामान या उपकरणों की रीसेल वैल्यू बहुत कम होती है। साथ ही इन प्रोडक्ट्स का लाइफ स्पैन भी काफी कम होता है। इसलिए ये सामान तभी खरीदें, जब आपको इनकी जरूरत हो। जीरो इंटरेस्ट के छलावे में आकर सिर्फ दिखावे के लिए ऐसे सामानों की खरीद, आपके घरेलू बजट पर बुरा असर डाल सकती है।

तुलनात्मक लाभ को समझें: अगर आप अपने पास पर्याप्त रकम होने के बावजूद लोन पर सामान खरीद रहे हैं, तो ऐसा करना तभी ठीक होगा जब आप अपनी रकम को किसी ऐसी जगह निवेश कर रहें हों, जहां से तुलनात्मक रूप से आपको ज्यादा रिटर्न (फायदा) मिल सकता है। ऐसी स्थिति में आप फायदे में रहेंगे। अन्यथा लोन लेना सही नहीं रहेगा। *

दायित्व / विजय सिंह चौहान

जब हम किसी के लिए कुछ अच्छा या उसकी मदद करते हैं तो इससे उस जरूरतमंद इंसान का भला तो होता ही है, हमें भी संतुष्टि मिलती है। इसलिए ऐसे अवसर को कभी न गवाएं।

जितना हो सके संभव
बनें किसी का सहारा

एक वृक्ष बिना किसी अपेक्षा के हमें छाया देता है, फल-फूल देता है, लकड़ी और प्राण वायु तक देता है। वह न तो कुछ संजोता है और न ही प्रतिदान की आकांक्षा रखता है। उसका समर्पण पूर्णतः निःस्वार्थ होता है। पेड़ ही नहीं पूरी प्रकृति हमें देना, दूसरों का भला करना सिखाती है। प्रकृति का मौन संदेश है-सब कुछ देकर भी विनम्र बने रहना।

हम समझें अपना दायित्व: मानव होने के नाते हमारा भी यह उत्तरदायित्व बनता है कि हम समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को जानें, समझें और उन्हें निभाएं। किसी भटके को राह दिखाना, लड़खड़ाते को थाम लेना, निराश को आशा देना-एक इंसान, एक सामाजिक प्राणी होने के नाते हमारा सामाजिक दायित्व है।

मनुष्य होने की सार्थकता: जब भी किसी जरूरतमंद की मदद करने की बात आती है, तो कई लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है, 'मैं ही क्यों मदद करूं?' जरा ध्यान से सोचें, तो इस प्रश्न का उत्तर हमें स्वयं ही मिल जाएगा। आज हम आभासी दुनिया में उलझे हुए हैं, मानवीय संवेदनाएं सूखती जा रही हैं। हम समस्याओं को पहचानते हैं, उन पर चर्चा भी करते हैं, पर रुक कर किसी की सहायता करना जैसे भूलते जा रहे हैं। यदि हमारा छोटा-सा प्रयास, हमारी थोड़ी-सी मदद किसी के जीवन में रोशनी भर सकती है, तो हमें इस तरह के प्रयास जरूर करने चाहिए। ऐसा न करके हम एक जरूरतमंद-लाचार को मदद से वंचित तो रखते ही हैं, साथ ही यह एक इंसान के रूप में स्वयं से भी छल है। मनुष्य वही है, जो मनुष्य के काम आए। इसलिए अगर आप समर्थ हैं तो आपको अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की मदद जरूर करनी चाहिए। ध्यान रखें, वास्तविक परोपकार केवल दान-पुण्य तक सीमित नहीं होता। यह एक सोच है, एक जीवनशैली जो हमें 'मनुष्य' होने के सही अर्थ से जोड़ती है।

हम क्या कर सकते हैं: अगर मन में परोपकार की सच्ची भावना है, तो हम कई तरह से किसी जरूरतमंद की मदद कर सकते हैं। किसी निर्धन बालक की शिक्षा में सहयोग करें, उसे किताबें दें या थोड़ा-सा समय निकाल कर स्वयं पढ़ाएं। ज्ञान का दीपक एक बार जल जाए, तो वह अनेक दीपों को रोशन कर सकता है। अगर आपके पास आर्थिक संसाधन सीमित हों तो तन से सेवा करें। वृक्षारोपण, जल संरक्षण, अस्पतालों या वृद्धाश्रमों में सहयोग कर सकते हैं। रक्तदान जैसे महादान के माध्यम से भी हम मानव सेवा या परोपकार कर सकते हैं।

व्यवहार से परोपकार: आप अपनी वाणी, अपने व्यवहार से भी किसी को उपकृत कर सकते हैं, किसी का संबल बन सकते हैं। आज असंख्य लोग अवसाद और अकेलेपन से जूझ रहे हैं, विशेष रूप से हमारे बुजुर्ग। ऐसे में अपनत्व भरे दो शब्द उनके जीवन की संध्या में उजास भर सकते हैं। किसी बुजुर्ग का हाथ थाम लेना, उनकी मन की सुन लेना, यह छोटा-सा आत्मीय व्यवहार उनके लिए अमूल्य हो सकता है।

कर सकते हैं सार्थक प्रयास : सेवानिवृत्त हो चुके बुजुर्ग और कुशल युवा, समाज के जरूरतमंद तबकों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अपने अनुभव और ज्ञान से वे जरूरतमंद युवाओं और किशोरों को आत्मनिर्भर बनने में मार्गदर्शन दे सकते हैं। उनकी यह सेवा तात्कालिक नहीं, दीर्घकालिक प्रभाव वाली होगी।

दीर्घकालिक संस्कार: जब हम यह सोचने लगते हैं, 'मैं समाज को क्या दे सकता हूं?' तभी हम सच्चे अर्थों में मनुष्यत्व के नजदीक पहुंचते हैं। हमारा एक छोटा-सा प्रयास किसी के जीवन में आशा बनकर खिल सकता है। वास्तव में, परोपकार कोई क्षणिक भाव नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संस्कार है। तो आइए समाज को कुछ देने का हर संभव प्रयास करें। *

फिल्म-ट्रेंड / हेमंत पाल

बॉलीवुड में जिन रिश्तों या भावनाओं को आधार बनाकर कई सफल फिल्में बनीं, उनमें से एक दोस्ती भी है। इन फिल्मों को दर्शकों ने भी खूब पसंद किया। दोस्ती के अलग-अलग रंगों से सजी कुछ फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब नजर आए हैं
दोस्ती के अलग-अलग रंग

'दोस्ती' ने कायम की फिल्मी दोस्ती की मिसाल

'सौदागर' में दिखी राजकुमार-दिलीप कुमार की दोस्ती

हम सभी की जिंदगी में दोस्त बहुत अहमियत रखते हैं। यही वजह है कि जिंदगी के अलग-अलग शेड्स को सिल्वर स्क्रीन पर पेश करने वाले फिल्मकारों ने भी दोस्त और दोस्ती की फीलिंग पर कई यादगार फिल्में बनाई हैं। हिंदी फिल्मों के शुरुआती दौर से कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें दोस्ती के रिश्ते को बड़ी ही खूबसूरती के साथ पेश किया गया। दोस्ती पर आधारित ऐसी कई फिल्में हैं, जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला।

मील का पत्थर बनी 'दोस्ती': जब भी दोस्त और दोस्ती पर बनी फिल्मों का जिक्र होता है, 1964 में राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'दोस्ती' के बिना बात पूरी नहीं होती। अपने समय की यह सुपरहिट फिल्म थी। फिल्म में शारीरिक रूप से अक्षम दो गरीब दोस्तों रामू और मोहन की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में रामू (सुशील कुमार सोमैया) पैर से अक्षम होता है और मोहन (सुधीर कुमार सावंत) की आंखें नहीं होती हैं। वे दोनों एक-दूसरे के साथ मिलकर जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं। दोस्ती जैसे विषय पर बनी फिल्मों के बीच एक मील का पत्थर है यह फिल्म। उसके बाद तो दोस्ती की मिसाल वाले इस विषय को कई बार घुमा फिराकर परोसा जाता रहा। 'दोस्त', 'खुदगर्ज' 'चश्मेबद्दूर' और 'काई पो चे' में दोस्ती को अलग-अलग ढंग से पेश किया गया।

इन कलाकारों ने कई फिल्मों में निभाई दोस्ती: बॉलीवुड के बिग बी यानी अमिताभ बच्चन की कई फिल्मों का केंद्रीय विषय दोस्ती रहा। 'जंजीर', 'शोले', 'नमक हराम', 'हेराफेरी', 'शान', 'सुहाग', 'दोस्ताना', 'मुकद्दर का सिकंदर' जैसी फिल्मों को याद कीजिए। इन सभी सफल फिल्मों में अमिताभ और अन्य कलाकारों के बीच की दोस्ती के विभिन्न रंगों को अलग-अलग ढंग से पेश किया गया। 'हेराफेरी', 'मुकद्दर का सिकंदर' में अमिताभ और विनोद खन्ना की दोस्ती दिखाई गई। 'दोस्ताना' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ अमिताभ की दोस्ती मिसाल के रूप में याद की जाती है। 'शोले' में जय (अमिताभ बच्चन) और वीरू (धर्मेंद्र) की दोस्ती को कौन भूल सकता है भला! अमिताभ और धर्मेंद्र की दोस्ती बाद में 'चुपके-चुपके' और 'राम बलराम' जैसी फिल्मों में भी दिखी। राजेश खन्ना के साथ अमिताभ ने 'आनंद' और 'नमक हराम' में दोस्ती को जीवंतता दी। शशि कपूर के साथ 'ईमान धरम' और 'सुहाग' जैसी फिल्मों में अमिताभ ने यही दोस्ती निभाई।

'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में दिखी नए दौर की दोस्ती

धर्मेंद्र भी उन कलाकारों में हैं, जिन्होंने कई एक्टर्स के साथ फिल्मी दोस्ती का किरदार अदा किया। फिल्मों में धर्मेंद्र की दोस्ती शत्रुघ्न सिन्हा और विनोद खन्ना के साथ कई बार बनी। इनके अलावा अनिल कपूर-जैकी श्रॉफ, अक्षय कुमार-सुनील शेट्टी और संजय दत्त-गोविंदा की दोस्ती पर बनी फिल्मों को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया।

दोस्ती और प्रेम त्रिकोण: दोस्ती और प्रेम त्रिकोण पर आधारित कई हिंदी फिल्में बनीं और सफल हुईं।

'शोले' में जय-वीरू की यादगार दोस्ती

दो दोस्तों की दोस्ती के बीच एक लड़की आ जाती है। फिर या तो गलतफहमी पनपती है या प्रेम त्रिकोण बन जाता है। क्लाइमैक्स में या तो गलतफहमी दूर हो जाती है या फिर एक दोस्त का त्याग सामने आता है। इस तरह की फिल्मों का चलन शायद राज कपूर, राजेंद्र कुमार की फिल्म 'संगम' से शुरू हुआ था। आगे चलकर इस तरह की कई फिल्में बनीं और सफल हुईं।

यादगार है 'सौदागर' की दोस्ती: 1991 में सुभाष घई ने फिल्मी दुनिया के दो दिग्गजों दिलीप कुमार और राज कुमार को दोस्ती की डोर में बांधा और फिल्म बनाई-सौदागर। इस फिल्म की गिनती दोस्ती पर आधारित श्रेष्ठ फिल्मों में होती है।

दिखे दोस्ती के कई रूप: हर दौर में दोस्ती के आधार पर बनाई गई फिल्मों में दोस्ती के अलग-अलग रूप नजर आते रहे हैं। 'दिल चाहता है' तीन दोस्तों, आकाश (आमिर खान), समीर (सैफ अली खान) और सिद्धार्थ (अक्षय खन्ना) की कहानी है, जो अपनी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरते हुए दोस्ती के महत्व को समझते हैं। '3 इडियट्स' तीन इंजीनियरिंग छात्रों की कहानी है, जो अपनी पढ़ाई, करियर और जीवन के बारे में अलग-अलग दृष्टिकोण रखते हैं, पर उनकी दोस्ती बनी रहती है। 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' तीन दोस्तों की कहानी है जो बैचलर पार्टी के लिए स्पेन जाते हैं और वहां अपनी दोस्ती के नए आयाम ढूंढते हैं। बीते कुछ दशकों में ऐसी फिल्में भी बनाई गईं, जिनमें दोस्ती तो थी, पर फिल्म का केंद्रीय विषय कुछ और ही था। 'रंग दे बसंती', 'कुछ-कुछ होता है', 'दिल तो पागल है' और 'चश्मे बद्दूर' जैसी फिल्मों को इस श्रेणी में रखा जा सकता है। कहने का सार है कि दोस्ती पर फिल्म बनने का सिलसिला आज भी जारी है। जिसे दर्शक पसंद भी खूब करते हैं। *

जानकारी / सुनील कुमार महला

अब कम सुनाई देती है
झींगुरों की झांय-झांय !

बारिश के मौसम में ग्रामीण या पेड़-पौधों से भरे इलाकों में सूरज ढलते ही झींगुरों की झांय-झांय सुनाई देने लगती है। कभी-कभी तो दिन के समय भी जब बारिश के कारण मौसम में ठंडक होती है, वातावरण झांय-झांय की आवाज से गूंजने लगता है। लेकिन शहरों में झींगुरों के बारे में देखने-सुनने को नहीं मिलता। आखिर इसके पीछे कारण क्या हैं?

कम होने के कारण: बढ़ती आबादी, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, तीव्र विकास, ग्लोबल वार्मिंग के कारण जंगलों का घनत्व कम होता जा रहा है। इंसानी शोर बढ़ने से ही झींगुरों की झांय-झांय पर लगातार खतरा मंडरा रहा है। इस संबंध में कुछ समय पहले एक शोध के नतीजे बीएमसी इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन जर्नल में प्रकाशित हुए थे। इसके मुताबिक इंसानों के बढ़ते शोर से न सिर्फ झींगुरों का संगीत मंद पड़ा है, बल्कि उनका जीवन काल भी घट गया है।

ऐसे उत्पन्न होती है आवाज: नर झींगुर अपनी विशेष आवाज (झांय-झांय) के लिए जाने जाते हैं। यह ऐसी ध्वनि होती है, जो उनके पंखों के घर्षण से उत्पन्न होती है, जिसे स्ट्रिड्यूलेशन कहते हैं। दरअसल, इस तरह की ध्वनि के दो उद्देश्य होते हैं। एक, यह मादा झींगुरों को आकर्षित करता है और दूसरा इसके जरिए अन्य नर झींगुरों के बीच क्षेत्रों को निर्धारित करते हैं। ये मुख्य रूप से रात में सक्रिय रहते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण: झींगुर विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्रों में मुख्य रूप से अपघटन, पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण और कीट नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सड़ने वाले कार्बनिक पदार्थों को खाते हैं, जिससे पोषक तत्वों को वापस मिट्टी में मिलाने में मदद मिलती है। दूसरे शब्दों में कहें तो झींगुर मृत पौधों और जानवरों के अवशेषों को खाते हैं, जिससे वे छोटे टुकड़ों में टूट जाते हैं और हमारे पर्यावरण में अपघटन की प्रक्रिया में मदद करते हैं। अपघटन की क्रिया से झींगुर विभिन्न पोषक तत्वों को मिट्टी में या इस धरती पर वापस छोड़ते हैं। *

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 3 अगस्त 2025

मित्रता दिवस आज

बाकी सारे रिश्ते तो हमें जन्म से मिलते हैं, एक दोस्ती का रिश्ता हम खुद ही बनाते हैं। स्वार्थ से परे, सुख-दुख पर हमेशा साए की तरह मौजूद रहने वाला यह रिश्ता हमारे लिए सबसे अधिक मायने रखता है। भले ही समय के साथ इसका स्वरूप बदल गया हो लेकिन आज भी यह उतना ही मूल्यवान है।

सबसे प्यारा-अनमोल दोस्ती का रिश्ता

कवर स्टोरी
अंशु सिंह

इस दुनिया में तरह-तरह के लोग रहते हैं। कुछ हमारे परिवार के सदस्य होते हैं, कुछ रिश्तेदार। कुछ हमसे प्रेम करते हैं तो कुछ हमसे ईर्ष्या करते हैं। कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो बिना किसी फायदे के जरूरत पड़ने पर हमारी हर संभव मदद करने को सदैव तत्पर रहते हैं। हमें जीवन का सही मार्ग दिखाते हैं। दुख और मुश्किल समय में साथ खड़े होते हैं। उन्हें ही हम दोस्त कहते हैं। यह दोस्ती हमारे आपसी विश्वास और आस्था पर टिकी होती है।

स्वार्थ से परे आत्मीय रिश्ता: किसी ने कहा है, 'मुझे अपने मित्रों के बारे में बताइए, मैं आपके व्यक्तिव के बारे में बता दूंगा।' वास्तव में आपके दोस्त किस तरह के हैं, वह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि आपका जीवन में क्या लक्ष्य है? आपका चरित्र कैसा है, आपकी सोच कैसी है?

सच में, धन-दौलत तो बहुत से लोग कमा लेते हैं। लेकिन दोस्ती जैसा सच्चा धन हर कोई नहीं कमा पाता। इस दुनिया में हर इंसान को एक ऐसे शख्स की जरूरत होती है, जिसे वह अपनी दिल की बातें बेझिझक बता सके। इसलिए दोस्त वो होता है, जिस पर आंख बंद कर भरोसा किया जा सके। दोस्तों के बीच स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता। न ही दोस्ती किसी की जाति, पंथ या धर्म देखती है।

पुराणों-इतिहास में मित्रता: हिंदू पौराणिक कथाओं में मित्रता के कई आदर्श उदाहरण देखे जा सकते हैं। जैसे, भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा, वानर राज सुग्रीव एवं भगवान श्रीराम, श्रीराम एवं विभीषण की मित्रता हमारे लिए आज भी आदर्श हैं। इतिहास पर नजर डालें तो 19वीं सदी के शुरुआती दौर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और मोहम्मद अली जिन्ना बहुत अच्छे दोस्त हुआ करते थे। वे अकसर घर-सार्वजनिक स्थलों पर मिलकर अंग्रेजों को देश से खदेड़ने के तरीकों पर चर्चा करते थे। मुगल

काल में छत्रपति शिवाजी और तानाजी भी बचपन के दोस्त थे। बाल्यकाल से ही दोनों मुगलों के अधीन किलों पर विजय पाने की रणनीति बनाया करते थे। जैसे-जैसे दोनों बड़े हुए, शिवाजी ने तानाजी की मदद से कई लड़ाइयां जीतीं और तानाजी उनके योद्धा सेनापति बन गए। इस तरह उन्होंने आजीवन अपनी दोस्ती की मिसाल कायम की। उनकी दोस्ती इतिहास में अमर हो गई।

होता है मार्गदर्शक : दोस्ती का संबंध ही ऐसा होता है कि वे सदा एक-दूसरे के लिए मौजूद रहते हैं। अपने दोस्त का हित करने के लिए व्यक्ति उसकी नाराजगी भी झेलने को तैयार रहता है। एक सच्चा दोस्त हमेशा अपने दोस्त का सबसे बड़ा शुभचिंतक होता है, उसका मार्गदर्शक होता है। हो सकता है कि किसी समय कुछ देर के लिए अपने मित्र की बातें या कार्य आपको उचित न लगें। लेकिन कभी न भूलें कि सच्चा मित्र हर स्थिति में आपका हित ही चाहता है। अगर वह कोई कार्य करने से आपको रोकता है तो उसमें जरूर आपका हित ही होगा। हो सकता है उसका मनोभाव आपको कुछ समय बाद समझ में आए।

मित्रता पर भी पड़ा तकनीकी प्रभाव: पिछले दो-तीन दशकों में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारणों से मित्रता में काफी बदलाव आया है। 20 वीं सदी तक दोस्ती खतों और आमने-सामने की मुलाकातों के जरिए कायम रहती थी। फिर टेलीफोन और बाद में इंटरनेट ने संपर्क बनाए रखना आसान बना दिया। इक्कीसवीं सदी में टेक्स्ट मैसेज, सोशल मीडिया और वीडियो कॉल के जरिए संवाद होने लगा। व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म ने तो दोस्ती बनाने और निभाने के तरीके को पूरी तरह बदल कर रख दिया। इनसे लोग दुनिया भर में एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं। हालांकि इसमें ज्यादातर रिश्तों में गहराई नहीं होती। कह सकते हैं कि दोस्ती की परिभाषा व्यापक हो गई है। आज दोस्ती पारंपरिक बाधाओं को पार करते हुए अधिक विविध और समावेशी तरीकों से विकसित हो सकती है। बहरहाल, समय और दौर कोई भी हो, दोस्ती आज भी दो इंसानों के बीच सबसे प्यारा और अनमोल रिश्ता होता है। *

दोस्ती से बेहतर रहता है मानसिक स्वास्थ्य

पल्लवी प्रकाश
साइकोलॉजिस्ट -मोटिवेशनल कोच

अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी दोस्ती का बहुत अधिक महत्व होता है। दोस्त, भावनाओं को व्यक्त करने, समस्याओं को साझा करने और सलाह लेने के लिए एक आत्मीय साथ प्रदान करता है। इस भावनात्मक समर्थन से तनाव, चिंता और उदासी सभी को कम किया जा सकता है। फ्रेंडशिप नेटवर्क का हिस्सा होने से व्यक्ति जुड़ाव और खुद को मूल्यवान महसूस करता है। यह अपनेपन की भावना मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और उसे अकेलेपन, अलगाव की भावनाओं से बचा सकती है। दोस्त नियमित व्यायाम, संतुलित आहार जैसी स्वस्थ आदतों को प्रोत्साहित करके और धूम्रपान या अत्यधिक शराब पीने जैसे हानिकारक आदतों से बचाकर व्यवहार को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

बॉलीवुड में दोस्ती

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में पिछले कुछ सालों में बहुत कुछ बदला है। एक ऐसी इंडस्ट्री जो अधिकतर बिजनेस बेनिफिट और स्वार्थ के लिए जानी जाती है। उस माहौल में भी कई स्टार्स की दोस्ती एक मिसाल की तरह है। जैसे, करीना-अमृता-मलाइका की एक दशक से भी ज्यादा पुरानी दोस्ती आज भी उतनी ही मजबूत और अटूट बनी हुई है। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, अनन्या पांडे और शनाया कपूर बचपन की दोस्त हैं। अनन्या, शनाया को सोल सिस्टर कहती हैं। अभिनेता रणबीर कपूर और निर्देशक अयान मुखर्जी का ब्रोमांस इंडस्ट्री में बेहद चर्चित है। सलमान खान और अजय देवगन भी वर्षों से पक्के दोस्त हैं। इस बारे में अजय कहते हैं, 'सलमान और मैं एक ही समय पर इंडस्ट्री में आए थे। पिछले 25 सालों से हमारी दोस्ती बरकरार है।'

सेल्फ मोटिवेशन
राजयोगी बीके निकुंज जी

हमेशा साथ रहता है हमारा सच्चा मित्र

यह सही है कि आज के दौर में सच्चा मित्र मिलना बहुत कठिन है। बिना किसी स्वार्थ के हमेशा साथ रहने वाला सच्चा मित्र। ऐसे ही सच्चे मित्र की तरह ईश्वर भी हमेशा हमारे साथ रहता है।

जरूरत के वक्त जो साथ दे, वही सच्चा मित्र होता है। यह पुरानी कहावत आज भी उतनी ही सच है, जितनी वर्षों पहले थी। जीवन के किसी न किसी मोड़ पर हम सभी ने इसे अनुभव किया है, कभी किसी अजनबी से, तो कभी उस शख्स से जिससे हमें कोई उम्मीद नहीं थी। लेकिन आज, जब हमारे जीवन में रिश्तों से ज्यादा 'कांटेक्ट्स' हैं, और मित्र बस केवल स्क्रीन पर दिखाई देने वाले नाम बनकर रह गए हैं, तब यह सवाल जरूरी हो गया है कि मित्रता वास्तव में हमारे लिए क्या मायने रखती है?

हर रिश्ते से ऊपर: जब आप आंखें बंद करके खुद से यह पूछते हैं कि मेरे जीवन में कौन वास्तव में मायने रखता है? तो आपका ध्यान शायद उस व्यक्ति की ओर नहीं जाता, जिसने आपको योग्य सलाह दी। बल्कि उस व्यक्ति को मन याद करता है, जो उस समय चुपचाप आपके कंधे पर हाथ रखकर पास बैठा रहा, जब आपकी दुनिया बिखर रही थी। जी हां! मित्रता वही रिश्ता है, जो न खून के रिश्ते से बंधा होता है, न शर्तों पर टिका होता है। एक सच्चा मित्र आपको वैसे ही स्वीकार करता है, जैसे आप हो न कि जैसे वह आपको देखना चाहता है। शायद इसलिए ही परिवार या रिश्तेदार से ऊपर हम हमेशा मित्रता को रखते हैं क्योंकि यही एक ऐसा रिश्ता है, जो हम अपनी पसंद से चुनते हैं।

बनता है आत्मिक संबंध: एक सच्चा मित्र शायद हमसे हमारी पसंद की बात हमेशा कह न पाए, लेकिन उसकी बात सीधे दिल तक पहुंचती है और इसीलिए उस व्यक्ति के साथ हमें एक आत्मीयता सी महसूस होती है, जो न किसी तर्क पर टिकी होती है, न किसी प्रयोजन पर। जब यह जुड़ाव दोनों ओर से होता है, जब आत्माएं एक-दूसरे को पहचानें और सम्मान दें, तब एक सुंदर संबंध का जन्म होता है। एक ऐसा संबंध, जो जीवन भर और शायद उसके बाद भी बना रहता है।

सच्ची नहीं आभासी मित्रता: आज बदलते युग में मित्रता का अर्थ बदलता जा रहा है। आज हम सहकर्मी, सहपाठी, जिम के साथी या सोशल मीडिया फॉलोअर्स को भी मित्र कह देते हैं। लेकिन साथ रहना और दिल से जुड़ना इन दोनों में बड़ा फर्क है। फेसबुक फ्रेंड होना, इंस्टाग्राम पर जन्मदिन की बधाई देना, ये सब असली मित्रता नहीं है। सच्ची मित्रता वहां होती है, जहां भावनात्मक समानता होती है, दिल से दिल का रिश्ता होता है, जहां न अहं होता है और न किसी भी प्रकार की अपेक्षा।

सवाल उठता है कि तो कौन होता है सच्चा मित्र? एक ऐसा व्यक्ति जिसके समक्ष आप बिना किसी मुखौटे के अपने मूल रूप में रह सकें, बिना कुछ छुपाए, बिना कुछ साबित किए। जो आपके दोषों को जानकर भी आपका साथ न छोड़े। जो शब्दों से नहीं, मौन से भी दिल तक पहुंच जाए और एक हल्के से स्पर्श या दृष्टि से आपको यह जता दे 'मैं यहीं हूं तुम्हारे साथ।' आज के इस तेज रफ्तार जीवन में, सबसे दुर्लभ बात है, उपलब्धता। वर्तमान काल में ऐसा कोई है, जो बिना विचलित हुए बस आपकी बात सुने? है कोई ऐसा? आजकल तो सभी से ज्यादातर, 'थोड़ी देर बाद बात करते हैं', फिर से कॉल करता हूं', 'थोड़ा बिजी हूं' यही सब सुनने को मिलता है, जो भावनात्मक दूरी की नई भाषा बन चुके हैं। इसीलिए इस बात से कोई इंकार नहीं करेगा कि आज हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां रिश्ते भी सुविधाओं के अनुसार चलते हैं। जब जरूरत हो, तब याद किया जाता है। जब हम किसी के काम के नहीं रहते, तो भुला दिए जाते हैं।

ईश्वर होता है हमारा परममित्र: आज के समय में ऐसा मित्र मिलना मुश्किल है, जो बिना किसी अपेक्षा के, बिना किसी शर्त के साथ दे। मैंने अपने अनुभव में पाया कि सबसे स्थायी, सबसे निःस्वार्थ मित्रता मुझे इंसानों में नहीं, बल्कि किसी और में मिली, सर्व शक्तिमान परमात्मा में। जी हां, उस दिव्य सत्ता में जिसे आप भगवान, ईश्वर, खुदा, सर्वोच्च आत्मा या सिर्फ मेरा सबसे प्यारा मित्र कह सकते हैं। हम प्रार्थना में अकसर उसे पिता, माता, गुरु या मार्गदर्शक कह कर पुकारते हैं। लेकिन क्या कभी आपने उससे एक मित्र की तरह बात की है? बिना किसी औपचारिकता, बिना किसी रीति-नीति के, बस सीधे दिल से? एक बार कोशिश कीजिए। जैसे अपने सबसे करीबी दोस्त से आप बात करते हैं, वैसे ही उनसे भी करिए, बिना कोई डर, बिना संकोच। फिर देखना आप अंदर ही अंदर महसूस करेंगे एक ऐसी शांति, ऐसा सुकून, जो किसी मानवीय रिश्ते में नहीं मिलता। उसका प्रेम प्रदर्शन पर नहीं अपितु उपस्थिति पर आधारित है। बस उसे दिल से याद कीजिए और वो आपकी हर धड़कन में मौजूद मिलेगा। *

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

जिंदगी में अच्छे दोस्तों की अहमियत बहुत ज्यादा है, क्योंकि हम जो कुछ भी हैं अपने आस-पास के लोगों, अपनी संगत और माहौल की वजह से ही हैं। हमारे सपने, लक्ष्य, सोचने और काम करने का तरीका, रहन-सहन और जीने का अंदाज बहुत कुछ उन्हीं लोगों से प्रभावित होता है, जिनके साथ हम अपना ज्यादातर वक्त बिताते हैं। इसे मनोविज्ञानी लॉ ऑफ अट्रैक्शन कहते हैं। अमेरिकी व्यवसायी जिम रॉन ने कहा है कि आप उन 5 लोगों का एवरेज होते हैं, जिनके साथ आप हमेशा रहते हैं। इसलिए दोस्त बनाने में बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।

जो देते हैं स्मार्ट सोशल सपोर्ट: हम जो कुछ करते हैं, उसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बहुत सारे लोगों का इंवॉल्वमेंट होता है। पर्सनल लाइफ हो या प्रोफेशनल लाइफ, अपने आर्थिक, मानसिक, सामाजिक और शारीरिक हितों के लिए हमें कुछ लोगों पर निर्भर होना पड़ता है, अच्छे दोस्त यह जरूरत पूरी करते हैं।

अच्छे दोस्त मिलना सौभाग्य की बात है। इससे जिंदगी गुलजार हो जाती है। इसलिए किसी को अपना घनिष्ठ दोस्त बनाने से पहले उसमें मौजूद कुछ क्वालिटीज के बारे में जरूर जान लेना चाहिए।

जिंदगी में बहुत जरूरी हैं ऐसे दोस्त

जो ज्यादा समझदार हों: महान दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने कहा था, 'अगर आप अपने इनर सर्किल में सबसे स्मार्ट या बुद्धिमान व्यक्ति हैं तो आप एक गलत सर्किल में रह रहे हैं।' कहने का तात्पर्य यह है कि आपको खुद से ज्यादा सफल, सक्षम, समझदार और प्रतिष्ठित दोस्तों के बीच रहना चाहिए। इसलिए आप ऐसे लोगों को दोस्ती के लिए चुनें, जो आपकी सफलता और मानसिक सुकून में आपके साथी बन सकें।

जिनका साथ अच्छा लगे: मानसिक बीमारियों के प्रबल वर्तमान दौर में मन का सुकून बड़ी दुर्लभ चीज हो गई है। अधिकांश इंसान दुश्चिंता और अवसाद से घिरे रहते हैं। ऐसे में जिन लोगों के बीच रहकर आपको मानसिक सुकून मिलता हो, जिनके साथ हंसी-मजाक का दौर चलता हो, उन्हें अपनी जिंदगी का हिस्सा जरूर बनाएं।

जिनकी उपस्थिति में सहज महसूस करें: ऐसे दोस्त जिनकी उपस्थिति में आप सहज महसूस करें और अपने मन की बातें बिना लाग लपेट के खुलकर कह सकें, उनको साथ रखना चाहिए। ये ऐसे लोग होते हैं, जिनके कुछ कहने पर आपका ईगो हर्ट नहीं होता और आप कुछ कह दें तो ये भी दिल पर नहीं लेते। ये शॉक एब्जॉर्बर करने वाले लोग, जिनकी आपको जरूरत होती है।

जो बुरे वक्त में साथ खड़े रहते हों: हर व्यक्ति की जिंदगी में दो चार दोस्त ऐसे जरूर होने चाहिए, जो बुरे वक्त में उसके साथ खड़े रह सकें। बीमारी की स्थिति में सही डॉक्टर या अस्पताल तक पहुंचाना और तीमारदारी, दुख की घड़ी में

संबल प्रदान करने वाला और आर्थिक मुसीबत के वक्त पैसों की मदद करने वाले लोग निहायत जरूरी हैं। आपको भी ऐसे लोगों से अपने रिश्ते प्रगाढ़ रखने चाहिए।

जो आत्मविश्वास बढ़ाते हों: आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करना चाहते हैं, कोई नया बिजनेस करना चाहते हैं या चैलेंजिंग जॉब ज्वाइन करना चाहते हैं तो शुरू-शुरू में हिचक रहती है। ऐसे में आप असफल लोगों से राय मांगेंगे तो वे आप को हतोत्साहित कर देंगे। वहीं सकारात्मक स्वभाव के दोस्त आपका आत्मविश्वास बढ़ाएंगे, पॉजिटिव सजेशन देंगे और आपको प्रेरणा देंगे। ऐसे लोगों से मेल मिलाप अवश्य रखें।

जो आपसे ईर्ष्या ना करते हों: कुछ लोग अपने इर्द-गिर्द वालों की तरक्की, खुशहाली और सुकून नहीं देख सकते। ये ईर्ष्यालु होते हैं और मौका मिलते ही टांग खींचते हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती करने से दूर रहें। जो लोग आपकी सफलता को सराहते हैं और आपसे प्रेरणा या सलाह लेना चाहते हैं, उन्हें अवश्य अपने सर्किल में रखें। इनसे आप जीवन में कभी खुद को अकेला महसूस नहीं करेंगे। *

दोहे / राजश्री राठी

बरखा नर्तन करे

झंकृत वीणा हृदय की छेड़ रही अनुराग।
बरखा नर्तन यूं करे जैसे पद में राग।।
नैन बाट जोहत रहे भर-भर कर मनुहार।
बरखा का स्वागत करे हृदय कुसुम बन हार।।
बरखा छम-छम यूं करे ज्यूं पायल झनकार।
दुल्हन रूप धरा लिए सज सोलह सिंगार।।
गरजे घन-घन मेघ जब करते बंद किवाड़।
बैरन सी बरखा हुई मन को रही बिगाड़।।
बादरवा घनन गरजे मन मोरा घबराय।
पिया रहे परदेस में नैन नेह बरसाय।।
छम-छम बरखा जो हुई मन मे भरी उमंग।
आसमान में उड़ रही जैसे कोई पतंग।।

कहानी
विनय कुमार पाठक

राखी का तोहफा

बेईमानों से भरी इस दुनिया में भी बहुत से ऐसे ईमानदार हैं, जिनका मन विपन्नता में भी किसी के पड़े बैग में ढेर सारे पैसे देखकर भी नहीं डगमगाता। ऐसे ही एक कबाड़ बटोरने वाले गरीब इंसान की दिल को छूती कहानी।

एआई इमेज

राजेंद्र एक कबाड़ बीनने वाला है, वह रोज की तरह रेलवे स्टेशन पर कचरे के ढेर में अपने काम की चीजें तलाश रहा था। उसकी नजरें बेहद सतर्क थीं-प्लास्टिक की बोतलें, टीन के डिब्बे और अपने काम की अन्य चीजे, उसकी निगाहें तलाश रही थीं। इन्हें वह कबाड़ी को बेचकर कुछ पैसे कमा लेता था। उसने अपनी बोरी में ऐसी कई चीजें भर रखी थीं, लेकिन वह कुछ और सामान बटोरना चाह रहा था।

तभी राजेंद्र की नजर दूर पड़े एक भूरे रंग के हैंडबैग पर पड़ी। 'शायद किसी अमीर आदमी ने यूं ही फेंक दिया होगा।' राजेंद्र ने सोचा। उसे मालूम है, जो चीजें अमीरों के लिए बेकार होती हैं, वही किसी गरीब के लिए बहुत काम की होती हैं। उसे पहले भी कूड़े से एक जोड़ी अच्छे जूते मिले थे, जिसे वह खुद इस्तेमाल कर रहा था। यह बैग उसे कुछ ऐसा ही अवसर लग रहा था।

तेजी से चलकर राजेंद्र उस बैग तक पहुंचा। सौभाग्य से आस-पास कोई और रद्दी बीनने वाला नहीं था। बैग अच्छी हालत में था। बस उसका हैंडल टूटा हुआ था, जिसे कोई मोची आसानी से ठीक कर सकता था। राजेंद्र ने इधर-उधर देखा कि कोई देख तो नहीं रहा, फिर बैग के बीच वाला चेंबर खोला। अंदर देखा तो उसके होश उड़ गए-उसमें पांच सौ के नोटों की एक मोटी गड्डी थी। साथ ही एक क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड भी रखा दिखा। यह अप्रत्याशित दौलत देखकर राजेंद्र के मन में खुशी की लहर दौड़ गई। लेकिन दूसरे ही पल उसे अहसास हुआ कि कार्ड उसके किसी काम के नहीं हैं। राजेंद्र ने सुना था कि किसी और के कार्ड इस्तेमाल करने पर जेल हो सकती है। हो सकता है, यहां कहीं लगा सीसीटीवी कैमरा यह सब कवर कर रहा हो। उसका बेवजह फंसने का कोई इरादा नहीं था। एकाएक राजेंद्र के दिमाग में आया, हो सकता है इस बैग के मालिक को पैसों की बहुत जरूरत हो, दवाई या किसी और जरूरी काम के लिए। अपने मन के बोझ को दूर करने के लिए वह सीधे रेलवे स्टेशन जा पहुंचा। स्टेशन मास्टर के केबिन में जाकर बोला, 'साहब, यह बैग मुझे रेलवे ट्रैक के पास मिला था, जब मैं कबाड़ बीन रहा था।'

'ठीक है, जाकर उधर एक किनारे बैठ जाओ।' स्टेशन मास्टर ने कहा। वहां रूम में एक व्यक्ति बैठा हुआ था। वह चिंतित दिख रहा था।

'मिस्टर अजय, शायद यही वह बैग है, जिसकी आप तलाश कर रहे थे।' स्टेशन मास्टर ने उस व्यक्ति से पूछा।

'संभव है, मेरी कुलीग मीनाक्षी ने बताया था कि उसका ब्राउन बैग खो गया है। इसका डिटेल इससे मेल खाता है। उसमें आईडेंटिटी कार्ड, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और आज की सैलरी थी।' अजय ने जवाब दिया और राजेंद्र को थोड़ा संदेह की नजर से देखा।

'हां, इसमें पांच सौ के नोटों की मोटी गड्डी और दो कार्ड हैं।' राजेंद्र ने बताया।

'हमें इसकी पुष्टि करनी होगी।' स्टेशन मास्टर ने कहा और बैग खोलकर देखा। अंदर मीनाक्षी माथुर का ऑफिस पहचान पत्र और दोनों कार्ड मौजूद थे। नाम कार्ड पर स्पष्ट लिखा हुआ था।

'अजय जी, प्लीज मीनाक्षी जी को तुरंत फोन करें और बताएं कि उनका बैग मिल गया है, मेरे पास सुरक्षित है। आधार, वोटर कार्ड या पैन कार्ड लेकर आएं और सत्यापन करवा लें।' स्टेशन मास्टर ने कहा।

अजय ने तुरंत मीनाक्षी को कॉल किया। वह पहले से ही बहुत परेशान थी। कॉल उठाते ही बोली, 'मैं अभी आ रही हूं। आधे घंटे में पहुंच जाऊंगी। प्लीज उस सज्जन को रोकिए, जिन्होंने बैग लौटाया है। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहूंगी। मेरे लिए यह पैसा बहुत जरूरी है।'

'सर, अब मैं जा सकता हूं?' राजेंद्र ने पूछा।

'हां, आप जा सकते हैं। आपकी ईमानदारी सराहनीय है। रेलवे प्रशासन को मैं आपके लिए पुरस्कार की सिफारिश करूंगा। आप अपना नाम और पता नोट करवा दीजिए।' स्टेशन मास्टर ने कहा।

'भाई साहब, जरा रुक जाइए। बैग की मालकिन आने ही वाली हैं, वो आपको व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद देना चाहती हैं।' अजय ने आग्रहपूर्वक कहा।

'ठीक है।' राजेंद्र ने कहा और अपना बोरा किनारे रखकर बैठ गया। करीब पैंतालीस-पचास मिनट बाद मीनाक्षी पहुंची, थोड़ी हांफती हुई।

'माफ कीजिए, ट्रैफिक बहुत था, इसलिए देर हो गई।' मीनाक्षी ने कहा। फिर अपना आधार कार्ड देकर प्रक्रिया पूरी की। स्टेशन मास्टर ने उसे बैग सौंप दिया।

'भाई साहब, मैं आपकी ईमानदारी के लिए आपको दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं। आज मेरी सैलरी मिली थी, वह कुछ ही घंटों में गुम हो गई। भीड़ में ट्रेन से उतरते समय हैंडल टूट गया था। ढूंढने की बहुत कोशिश की, लेकिन नहीं मिला। मैं आपको कुछ देना चाहती हूं, इसलिए देर हो गई। क्या आपको पता है कि आज रक्षा बंधन है?' मीनाक्षी ने अपने पर्स से एक राखी निकाली और मुस्कुरा दी। राजेंद्र ने बिना झिझक अपना हाथ बढ़ा दिया। मीनाक्षी ने पूरे स्नेह से उसे राखी बांधी। राजेंद्र ने अपनी फटी हुई जेब से एक छोटा पर्स निकाला। उसमें केवल दस रुपए का एक नोट था। उसने उस नोट को निकाला और कहा, 'मेरे पास बस यही है।' 'भैया, आपको कुछ भी देने की जरूरत नहीं है। आपकी ईमानदारी ही मेरे लिए सबसे बड़ा तोहफा है।' मीनाक्षी ने कहा और अपने बैग की ओर इशारा किया, आगे बोली, 'मैं मिठाई नहीं ला पाई तो कृपया ये पैसे रख लीजिए। अपने लिए मिठाई खरीद लीजिएगा।' उसने बैग से पांच सौ के दो नोट निकाले और राजेंद्र को सौंप दिए।

राजेंद्र थोड़ा झिझका, लेकिन स्टेशन मास्टर और अजय ने उसे कहा, 'यह पैसा स्वेच्छा से दे रही हैं, इसे लेने में कोई बुराई नहीं है।' अंततः राजेंद्र ने पैसे ले लिए और कमरे से बाहर निकल गया।

'आज भी ऐसे नेक लोग हैं दुनिया में।' मीनाक्षी ने अजय से कहा। वह राजेंद्र को जाते हुए तब तक देखती रही, जब तक नजरों से ओझल नहीं हो गया। *